संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-23 अंक- 51
पृष्ठ 8
शुक्रवार
06 नवम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सुबह नाश्ते में बनाएं सूजी...

विचार- अवध प्रांत का इतिहासः हिंडोर...

खेल- विराट कोहली मना रहे 38वां जन्मदिन...

गाजियाबाद में सीएम योगी की पदयात्रा, बोले

लोकतंत्र को अराजकता की आग में झोंकने का हो रहा प्रयास

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को गाजियाबाद में आयोजित लोकतंत्र बचाओ, अराजकता मिटाओ पदयात्रा के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। कार्यक्रम के मंच पर पहुंचकर उन्होंने कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर निशाना साधा। योगी के भाषण की शुरुआत होते ही वहां मौजूद लोगों ने भगवान राम, हनुमान, कृष्ण और महादेव के जयकारे लगाए। मुख्यमंत्री से पहले गाजियाबाद के सांसद, उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा और मुरादनगर के विधायक अजीतपाल त्यागी ने मंच से अपनी बात रखी। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और विपक्षी इंडी गठबंधन पर देश के



लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र जनता के विश्वास, संवैधानिक मर्यादाओं और जनादेश के सम्मान पर आधारित देश की राष्ट्रीय शक्ति है, लेकिन जनता द्वारा लगातार नकारे जा रहे कांग्रेस और इंडी गठबंधन की ओर से भारतीय लोकतंत्र को अराजकता, अस्थिरता और अव्यवस्था की आग में झोंकने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वह लोकतंत्र की रक्षा, संवैधानिक मर्यादाओं के सम्मान और जनादेश की सर्वोच्चता का संदेश लेकर गाजियाबाद में आयोजित लोकतंत्र बचाओ, अराजकता मिटाओ पदयात्रा में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और देश के लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। योगी ने लोकतंत्र की मजबूती के लिए जनता के विश्वास और उसकी सक्रिय भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया। मुख्यमंत्री के इस बयान को कांग्रेस और इंडी गठबंधन के खिलाफ भाजपा के राजनीतिक हमले के तौर पर देखा जा रहा है।

करनाल की रैली में अमित शाह ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

2014, 2019 और 2024 में एसआईआर नहीं फिर भी हारी कांग्रेस

करनाल, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बहस की चुनौती देने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों के मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर फिर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान कोई स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन नहीं हुआ था, फिर भी कांग्रेस हार गई। शाह ने हरियाणा के करनाल में एक रैली को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। गृह मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा आप संसद को चलने नहीं देते, बल्कि सड़कों पर भीड़ इकट्ठा करके अराजकता फैलाते हैं। राहुल गांधी, आप संसद को काम नहीं



करने देते... आप मुद्दों पर चर्चा नहीं करते। आप संसद में सिर्फ हंगामा करते हैं और बहिष्कार करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि राहुल गांधी संसदीय कार्यवाही में बाधा डालते हैं और अराजकता फैलाते हैं। उन्होंने कहा, "लोकतंत्र में, संसद बहस के लिए सर्वोच्च मंच है; फिर भी, राहुल गांधी, आप संसद को काम नहीं करने देते। आप अहम मुद्दों पर चर्चा करने से इनकार करते हैं, और इसके बजाय हंगामा खड़ा करना और सदन से वॉकआउट करना कांग्रेस पार्टी की संस्कृति ही बना दी है। आप संसद को चलने नहीं देते, और इसके बजाय सड़कों पर भीड़ जुटाकर एक अराजकतावादी की तरह अराजकता फैलाते हैं। इसी रैली में बोलते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर एसआईआर मुद्दे को लेकर गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ष्लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत एक आम नागरिक का वोट हैकृ हो सकता है कि उसके पास पैसा, रसूख या किसी बड़े परिवार का साथ न हो, लेकिन जब वह व्यक्ति पोलिंग बूथ पर खड़ा होता है, तो उसके पास भी उतना ही अधिकार होता है जितना कि देश के सबसे ताकतवर इंसान के पास। वह एक वोट एक किसान की मेहनत, एक मज़दूर की उम्मीदों, हमारे युवाओं के भविष्य और हमारी माताओं-बहनों की आशाओं को दर्शाता है। चुनाव आयोग अभी मतदाता सूची में संशोधन कर रहा हैकृयह एक ऐसी प्रक्रिया है जो समय-समय पर होती रहती है। कांग्रेस पार्टी ने झूठ का जाल बुना है और इसी झूठ के सहारे पूरे देश में भ्रामक प्रचार फैलाने की कोशिश की है।

हम आपसे डरते नहीं हैं राहुल गांधी पर अश्विनी वैष्णव का तीखा हमला, कहा-जिस मुद्दे पर चाहें, बहस कर लें

जयपुर, एजेंसी। रेल, सूचना एवं प्रसारण, और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि जो लोग बहस की मांग कर रहे हैं। उन्हें सही मंच यानी संसद में आना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के श्लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओश अभियान के दौरान बोलते हुए वैष्णव ने कहा, संसद में आइए, आप जिस

> सोशल मीडिया पर नहीं, बल्कि संसद के पवित्र कक्षों में आकर अपनी बात रखनी चाहिए। जनता के बीच भरोसा कायम करना जरूरी है। पीएम मोदी ने देश को एक ऐसे मुकाम पर पहुंचा दिया है, जहां हम किसी भी अन्य देश के साथ बराबरी के स्तर पर बात कर सकते हैं।
>
> *अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री*



विषय पर चाहें, हम उस पर बहस करेंगे। आइए, आमने-सामने बात करते हैं। हम आपसे डरते नहीं हैं। आप आइए और जिस विषय पर चाहें, उस पर बहस कीजिए। उन्होंने आगे कहा, उन्हें सोशल मीडिया पर नहीं, बल्कि संसद के पवित्र कक्षों में आकर अपनी बात रखनी चाहिए। जनता के बीच भरोसा कायम करना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश को एक ऐसे मुकाम पर पहुंचा दिया है, जहां हम किसी भी अन्य देश के साथ बराबरी के स्तर पर बात कर सकते हैं और उनकी आंखों में आंखें डालकर बात कर सकते हैं। अब हम अपने विरोधियों के गढ़ में जाकर उनसे मुकाबला कर रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी के सदस्य लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

हरदीप सिंह पुरी मध्यप्रदेश से निर्विरोध राज्यसभा सांसद निर्वाचित

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी मध्य प्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। गुरुवार को नाम वापसी की समयसीमा खत्म होने के बाद उनके मुकाबले कोई दूसरा उम्मीदवार मैदान में नहीं बचा। दरअसल, उपचुनाव में नामांकन दाखिल करने वाले दो अन्य उम्मीदवारों के पर्चे जांच के दौरान खारिज कर दिए गए थे। इसके बाद पुरी अकेले उम्मीदवार रह गए। मध्य प्रदेश विधानसभा में रिटर्निंग ऑफिसर उमेश कुमार शर्मा ने उन्हें निर्वाचन प्रमाणपत्र जारी किया। इस मौके पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और विधायक मौजूद रहे। मध्य प्रदेश में राज्यसभा की खाली हुई सीट पर उपचुनाव कराया जा रहा था। हरदीप सिंह पुरी के अलावा राजकुमार लोहानी और कांते सयन्ना ने भी नामांकन दाखिल किया था। हालांकि, जांच के दौरान दोनों के नामांकन पत्र खारिज कर दिए गए। इसके बाद पुरी ही चुनाव मैदान में अकेले उम्मीदवार रह गए। पांच नवंबर को दोपहर तीन बजे तक नाम वापस लेने की समयसीमा थी। इस समय तक किसी दूसरे उम्मीदवार के मैदान में नहीं रहने के कारण पुरी निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिए गए।



यानी इस सीट पर मतदान कराने की जरूरत नहीं पड़ी।

दो उम्मीदवारों के नामांकन आखिर क्यों खारिज किए गए?

रिटर्निंग ऑफिसर के आदेश के मुताबिक, कांते सयन्ना का नामांकन जरूरी प्रस्तावकों के हस्ताक्षर नहीं होने के कारण खारिज हुआ। नियम के अनुसार उनके नामांकन के लिए विधानसभा के कम से कम 10 निर्वाचित सदस्यों या कुल निर्वाचित सदस्यों के 10 प्रतिशत के हस्ताक्षर जरूरी थे। इनमें जो संख्या कम हो, उतने सदस्यों के हस्ताक्षर होने चाहिए थे। वहीं, राजकुमार लोहानी का नामांकन जरूरी फॉर्म-26 का शपथपत्र समय पर जमा नहीं करने के कारण खारिज हुआ। उन्हें दो नवंबर को दोपहर तीन बजे तक यह दस्तावेज जमा करना था, लेकिन तय समयसीमा पूरी हो गई। हरदीप सिंह पुरी ने 31 अक्तूबर को भोपाल स्थित मध्य प्रदेश विधानसभा में अपना नामांकन दाखिल किया था। इस दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और जगदीश देवड़ा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और राज्य सरकार के कई मंत्री मौजूद थे। तीन नवंबर को रिटर्निंग ऑफिसर ने पुरी के नामांकन पत्र स्वीकार कर लिए। इससे पहले कांग्रेस नेताओं और निर्दलीय उम्मीदवारों की ओर से उनके नामांकन पर आपत्तियां उठाई गई थीं।

चावड़ी बाजार में इमारत ढहने से दो की मौत, जेई और एई निलंबित

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पुरानी दिल्ली के चावड़ी बाजार में एक निर्माणाधीन तीन मंजिला इमारत ढहने की घटना की बृहस्पतिवार को जांच के आदेश दिए, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हुए हैं।

इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को ठेकेदार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने संबंधित कनिष्ठ अभियंता (जेई) और सहायक अभियंता (एई) को तुरंत निलंबित करने के भी आदेश दिए।

गुप्ता ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ घटनास्थल का दौरा किया और कहा कि सुरक्षा मानदंडों की अनदेखी करने वाले किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने जनता से भी निर्माण के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की। गुप्ता ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ''यहां भूतल के साथ दो मंजिला इमारत का निर्माण चल रहा था। मामले की आगे की जांच जारी है।

महुआ मोइत्रा का पलटवारः बोलीं- सीजेपी को विदेश से नहीं, भाजपा से मिला पैसा; जितेंद्र सिंह ने लगाए थे ये आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने कॉकरोच जनता पार्टी को विदेशी संगठनों से फंडिंग मिलने के आरोपों पर भाजपा को घेरा है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के बयान पर पलटवार करते हुए उन्होंने दावा किया कि

> सीजेपी के अशुतोष रांका, सौरव और अन्य सदस्यों ने खुद कहा है कि उन्हें विदेशी स्रोतों से नहीं, बल्कि भाजपा की ओर से चुनावी बॉन्ड के जरिये पैसा मिला है। जाहिर है, भाजपा ही उन्हें फंड दे रही है।
>
> *महुआ मोइत्रा, टीएमसी सांसद*



सीजेपी के कार्यकर्ताओं ने खुद कहा है कि उन्हें विदेशी स्रोतों से नहीं, बल्कि भाजपा से चुनावी बॉन्ड के जरिये पैसा मिला है। मोइत्रा ने कहा कि सीजेपी के अशुतोष रांका और सौरव समेत अन्य सदस्यों ने भाजपा से फंड मिलने की बात कही है।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा, भाजपा ही उन्हें फंड दे रही है। दरअसल, बुधवार को केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया था कि उसके कार्यकर्ताओं को देश और विदेश में मौजूद भारत विरोधी संगठनों से पैसा मिल रहा है। बंगलूरू में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने दावा किया कि अभिजीत दिपके को अनधिकृत स्रोतों से फंडिंग मिलने के पर्याप्त सबूत हैं। सिंह ने आरोप लगाया कि अमेरिका के दानदाताओं से अभिजीत दिपके को पैसा मिल रहा है, जबकि अशुतोष रांका को पाकिस्तानी नेताओं से फंडिंग मिली है। उन्होंने विदेशी फंडिंग वाले एनजीओ, डीप स्टेट के लोगों और भारत विरोधी ताकतों पर इस पूरे मामले में नैरेटिव गढ़ने का आरोप लगाया।

PRESS
हमेशा आपके साथ
शहर समता NEWS

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र

शहर समता
संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

Website
www.shaharsamta.com

Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

स्थापित 2001 • RNI Dainik UPHIN/2004/22466 • साप्ताहिक UPHIN/2001/03996 • कार्यालय 289/238 A कर्नलगंज प्रयागराज • संपर्क 9005239332, 9450482227

अमित कश्यप हत्याकांड- फांसी की सजा के खिलाफ अपील स्वीकार, 14 दिसंबर को होगी सुनवाई

प्रयागराज। मेरठ के चर्चित सांप कांड में फांसी की सजा पाने वाली रविता और अमरदीप की अपील इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनवाई के लिए स्वीकार कर ली है। दोनों ने दोषसिद्धि और मृत्युदंड के फैसले को चुनौती दी है। 14 दिसंबर को सुबह 10 बजे मामले में अंतिम सुनवाई होगी। मेरठ के बहुचर्चित अमित कश्यप हत्याकांड यानी सांप कांड में फांसी की सजा पाने वाली



रविता और उसके कथित प्रेमी अमरदीप को इलाहाबाद हाईकोर्ट से सुनवाई का अवसर मिला है। हाईकोर्ट ने दोनों की ओर से दोषसिद्धि और मृत्युदंड के फैसले को चुनौती देते हुए दाखिल अपील स्वीकार कर ली है। मामले में अब 14 दिसंबर को सुबह 10 बजे अंतिम सुनवाई होगी। न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय और न्यायमूर्ति पदम नारायण मिश्र की खंडपीठ में मामले की सुनवाई हुई। रविता और अमरदीप की ओर से अधिवक्ता आदेश कुमार और अधिवक्ता बरखा चौधरी पेश हुए। दोनों ने मेरठ की सत्र अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए दोषसिद्धि और फांसी की सजा रद्द करने की गुहार लगाई है। गौरतलब है कि मेरठ की सत्र अदालत ने 16 अक्तूबर को अमित कश्यप हत्याकांड में रविता और अमरदीप को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई थी। अब दोनों ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

निरस्त कानून के तहत दाखिल अपील सुनवाई योग्य नहीं, जिला जज का आदेश हाईकोर्ट ने किया रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शहरी भूमि सीमा कानून से जुड़े मामले में कहा कि शहरी भूमि (सीमा एवं विनियमन) अधिनियम–1976 के निरस्त होने के बाद धारा–33 के तहत अपील दाखिल नहीं की जा सकती। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शहरी भूमि सीमा कानून से जुड़े मामले में कहा कि शहरी भूमि (सीमा एवं विनियमन) अधिनियम–1976 के निरस्त होने के बाद धारा–33 के तहत अपील दाखिल नहीं की जा सकती। यह आदेश न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति सुधांशु चौहान की खंडपीठ ने कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) की तीन याचिकाओं को स्वीकार करते हुए दिया। कोर्ट ने जिला जज, कानपुर के 24 दिसंबर 2024 के फैसलों और आदेशों को रद्द कर दिया।

सक्षम प्राधिकारी ने 1976 के कानून की धारा–8(4) के तहत तीन मामलों में क्रमशः 6632.61, 16676.46 और 9242.50 वर्गमीटर भूमि को अतिरिक्त खाली भूमि घोषित किया था। इसके बाद कानून के तहत आवश्यक अधिसूचनाएं और नोटिस जारी किए गए। दो मामलों में 1991 और तीसरे मामले में 1986 में भूमि का कब्जा ले लिया गया। बाद में भूमि केडीए को सौंप दी गई और राजस्व अभिलेखों में भी प्राधिकरण का नाम दर्ज हो गया। मूल भूमि धारकों ने कार्यवाही को चुनौती नहीं दी थी। उत्तर प्रदेश में 18 मार्च 1999 को निरसन अधिनियम लागू होने के बाद भूमि धारकों के उत्तराधिकारियों ने 2009, 2011 और 2013 में जिला जज के यहां अपीलें दाखिल कीं। ये अपीलें वर्ष 1979, 1982 और 1983 में पारित आदेशों के खिलाफ थीं। जिला जज ने 24 दिसंबर 2024 को कहा था कि भूमि का वास्तविक कब्जा राज्य को हस्तांतरित होने का पर्याप्त प्रमाण रिकॉर्ड पर नहीं है। कोर्ट ने कहा कि निरसन अधिनियम की धारा–4 के तहत 1976 के कानून की धारा–33 में अपील का निहित अधिकार समाप्त हो गया था। निरसन अधिनियम कब्जा ली जा चुकी और नहीं ली गई भूमि के लिए अलग–अलग व्यवस्था करता है। जिन भूमि धारकों की जमीन का कब्जा नहीं लिया गया था, वे सामान्य कानून के तहत अपने अधिकारों की रक्षा कर सकते हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि अपीलें स्वतंत्र आधार पर भी सुनवाई योग्य नहीं थीं। भूमि का कब्जा लिए जाने के करीब 18, 20 और 27 वर्ष बाद अपीलें दाखिल की गईं, जबकि कानून में अपील के लिए केवल 30 दिन की समय सीमा निर्धारित थी। कोर्ट ने माना कि इतने लंबे समय तक चुप रहने और कार्यवाही को स्वीकार करने के बाद भूमि धारक अपील का अधिकार नहीं जता सकते। लिहाजा, कोर्ट ने जिला जज के फैसलों को निरसन अधिनियम के विपरीत और विरोधाभासी करार देते हुए तीनों याचिकाएं स्वीकार कर लीं।

हत्या के दोषी बुजुर्ग की सजा जेल में बिताई अवधि तक सीमित, 1981 की वारदात में छह साल की हुई थी सजा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सिंचाई के पानी को लेकर विवाद में हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए बुजुर्ग अभियुक्त को राहत दी है। कोर्ट ने उनकी सजा घटाकर जेल में पहले ही बिताई गई अवधि तक सीमित कर दी है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सिंचाई के पानी को लेकर विवाद में हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए बुजुर्ग अभियुक्त को राहत दी है। कोर्ट ने उनकी सजा घटाकर जेल में पहले ही बिताई गई अवधि तक सीमित कर दी है। न्यायमूर्ति तेज प्रताप तिवारी की एकल पीठ ने फर्रुखाबाद निवासी राम कृष्ण व अन्य की अपील पर यह आदेश दिया। अभियोजन के अनुसार 19 दिसंबर 1981 को राम कृष्ण खेत की सिंचाई गंगा राम के ट्यूबवेल से कर रहे थे। बिजली चली जाने से खेत का कुछ हिस्सा रह गया था। अगले दिन शेष खेत में पानी देने को लेकर गंगा राम और राम कृष्ण पक्ष के बीच विवाद हो गया।

आरोप है कि आरोपियों ने ट्यूबवेल की नाली तोड़ दी और गंगा राम को धमकी दी। बाद में आरोपियों ने हथियारों से हमला कर दिया। राम कृष्ण ने लाइसेंसी बंदूक से गोली चलाई, जो गंगा राम को लगी। जितेंद्र ने तमंचे से फायर कर सोमबती को घायल कर दिया। बाद में गंगा राम की मौत हो गई। 12 अगस्त 1986 को विशेष न्यायाधीश ने राम कृष्ण, मूल चंद्र को छह–छह वर्ष और जितेंद्र को दो वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी। अपील लंबित रहने के दौरान मूल चंद्र की मृत्यु हो गई। इसलिए उनके खिलाफ अपील समाप्त हो गई। अपील में राम कृष्ण की ओर से उम्र 60 से 70 वर्ष होने और उम्र संबंधी बीमारियों का हवाला देते हुए सजा जेल में बिताई अवधि तक सीमित करने की मांग की गई। राज्य सरकार ने इसका विरोध किया। हालांकि, हाईकोर्ट ने बुजुर्ग अभियुक्त को राहत देते हुए सजा पहले से काटी गई अवधि तक सीमित कर दी।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर की मांग खारिज, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिया बड़ा फैसला

प्रयागराज। अमेरिका दौरे के दौरान सिख समुदाय को लेकर दिए गए कथित बयान के मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग वाली याचिका अदालत ने खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान की एकल पीठ ने नागेश्वर मिश्रा और अन्य की याचिका पर यह फैसला सुनाया।



लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सिख समुदाय पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अमेरिका दौरे के दौरान सिख समुदाय को लेकर दिए गए उनके कथित बयान के मामले में एफआईआर दर्ज कराने की मांग वाली याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान की एकल पीठ ने यह फैसला सुनाया।

राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग को लेकर नागेश्वर मिश्रा और अन्य की ओर से याचिका दाखिल की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने सिख समुदाय के बारे में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की थी।

इससे पहले वाराणसी की ट्रायल कोर्ट ने भी इस संबंध में दाखिल अर्जी खारिज कर दी थी। ट्रायल कोर्ट के फैसले को याचिकाकर्ताओं ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब अदालत ने याचिका खारिज करते हुए राहुल गांधी को बड़ी राहत दी है।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता सत्येंद्र कुमार त्रिपाठी के मुताबिक, राहुल गांधी ने सितंबर 2024 में अमेरिका यात्रा के दौरान सिख समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर टिप्पणी की थी। आरोप है कि उन्होंने कहा था कि भारत में सिखों को कड़ा पहनने, पगड़ी बांधने और गुरुद्वारे जाने की आजादी को लेकर स्थिति चिंताजनक है। इसी बयान को आधार बनाकर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

याचिकाकर्ता नागेश्वर मिश्रा, जो पूर्व ग्राम प्रधान और समाजसेवी हैं, ने कथित बयान के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए कानूनी प्रक्रिया अपनाई थी। उनके अधिवक्ता के अनुसार, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 173(4) के तहत आवेदन दिए जाने के बावजूद निचली अदालत से राहत नहीं मिली। इसके बाद मजिस्ट्रेट के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दाखिल की गई थी।

याचिकाकर्ता के पक्ष ने दलील दी थी कि कथित बयान की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच और कानूनी कार्रवाई पर विचार किया जाना चाहिए। अधिवक्ता ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 का भी उल्लेख करते हुए कार्रवाई की मांग की। उन्होंने यह भी दावा किया कि बयान के अगले दिन खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने राहुल गांधी की टिप्पणियों का समर्थन किया था। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों ने अपनी दलीलें रखीं। इसके बाद अदालत ने निर्णय सुरक्षित कर लिया था।

मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसरों के 75 फीसदी से अधिक पद खाली, आयोग से मांगा जवाब

प्रयागराज। यूपी के राजकीय मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसरों के पद खाली रहने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। सीधी भर्ती के 108 पदों में से अब तक सिर्फ 26 पर नियुक्तियां हुई हैं। 75 फीसदी से अधिक पद खाली होने पर कोर्ट ने राज्य सरकार और लोक सेवा आयोग से हलफनामा तलब किया है।



इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के राजकीय मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसरों के स्वीकृत पदों पर नियमित भर्ती नहीं होने को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को मामले में पक्षकार बनाने की अनुमति देते हुए राज्य सरकार और आयोग से शपथपत्र मांगा है। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की एकल पीठ ने श्रीनिवासन गांधी की याचिका पर सुनवाई करते हुए अगली तारीख 25 नवंबर तय की है। सरकारी अधिवक्ता ने बताया कि प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसरों के 517 पद स्वीकृत हैं। इनमें 25 प्रतिशत सीधी भर्ती और 75 प्रतिशत पदोन्नति से भरे जाने हैं।

सीधी भर्ती के 108 पदों में से केवल 26 पर नियुक्तियां हुई हैं। यानी 75 फीसदी से अधिक पद खाली हैं। सरकार ने 35 पदों पर भर्ती के लिए आयोग को अधियाचन भेजा था, लेकिन विज्ञापन जारी नहीं हुआ। याचिका दाखिल होने के बाद 18 अगस्त 2026 को 44 पदों का विज्ञापन जारी किया गया, जिसकी चयन प्रक्रिया चल रही है।

संविदा के भरोसे चल रहे हैं विभाग रू कोर्ट

कोर्ट ने कहा कि नियमित पद खाली रखकर कृत्रिम आपात स्थिति पैदा की जा रही है। इसके आधार पर संविदा नियुक्तियां हो रही हैं। कई कॉलेजों में विभागाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद संविदा कर्मचारियों, असिस्टेंट व एसोसिएट प्रोफेसरों के भरोसे हैं। कोर्ट ने इसे मेडिकल कॉलेजों के गिरते मानकों का एक कारण माना।

कोर्ट ने कहा, रिक्तियां भरने के मुद्दे से आंखें नहीं मूंदी जा सकतीं

कोर्ट ने कहा कि वैधानिक प्रावधानों के अनुसार रिक्तियां भरने के मुद्दे से आंखें नहीं मूंदी जा सकतीं। कोर्ट ने चेतावनी दी है कि शपथपत्र दाखिल नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ आदेश पारित किया जाएगा।

केवल गैंग चार्ट के आधार पर गैंगस्टर एक्ट में नहीं चलाया जा सकता मुकदमा, हाईकोर्ट ने रद्द की कार्यवाही

प्रयागराज। गैंग चार्ट में नाम शामिल होना किसी को गैंगस्टर साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा चलाने के लिए स्वतंत्र कानूनी आधार और अपराध का होना जरूरी है। इसी टिप्पणी के साथ कोर्ट ने देवेंद्र कुशवाहा समेत छह आरोपियों के खिलाफ चल रही कार्यवाही रद्द कर दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि केवल गैंग चार्ट में किसी व्यक्ति का नाम शामिल कर देने से उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत आपराधिक मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। गैंगस्टर की श्रेणी में किसी व्यक्ति को रखना अपने आप में कोई अपराध नहीं है। इसके लिए कानून में स्वतंत्र रूप से अपराध का होना आवश्यक है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति डॉ. गौतम चौधरी की एकल पीठ ने देवेंद्र कुशवाहा और पांच अन्य की ओर से दाखिल याचिका स्वीकार कर गैंगस्टर एक्ट के तहत चल रही आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी। याचियों और सह आरोपियों के खिलाफ थाना कोतवाली ललितपुर में अपराध संख्या 576/2023 के आधार पर गैंगस्टर एक्ट की धारा 2/3 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि आरोपियों ने संगठित आपराधिक गिरोह बना रखा है। अपने निजी लाभ के लिए जिले में हिंसक एवं असामाजिक गतिविधियों को अंजाम देते हैं। पुलिस ने गैंग चार्ट तैयार किया था, जिसे संबंधित अधिकारियों की संयुक्त बैठक में अनुमोदित किए जाने के बाद एफआईआर दर्ज की गई। याचियों ने ट्रायल कोर्ट की ओर से गैंगस्टर एक्ट मामले में जारी संज्ञान/समन आदेश सहित मुकदमे की पूरी कार्यवाही रद्द करने की मांग में याचिका दायर की थी। याचियों की ओर से दलील दी गई कि उनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट लगाने के लिए कानून की आवश्यक शर्तें पूरी नहीं की गई हैं। केवल पहले से दर्ज आपराधिक मुकदमों को आधार बनाकर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करना उचित नहीं है। गैंग चार्ट में सामूहिक रूप से मामलों को शामिल कर दिया गया, जबकि आरोपियों की व्यक्तिगत भूमिका और संगठित आपराधिक गतिविधियों में उनकी संलिप्तता स्थापित करने के लिए स्वतंत्र कानूनी आधार आवश्यक है। राज्य सरकार की याची की दलीलों का विरोध किया गया।



प्रयागराज में 526 पेंशनरों के बने डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय के नेतृत्व में प्रयागराज मंडल में राष्ट्रीय डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 5.0 के तहत बुधवार को एक मेगा कैंप आयोजित किया गया। इस कैंप में कुल 526 डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाए गए और 160 पेंशनरों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। पेंशनरों को आधार, बैंकिंग, एचआरएमएस और यूएमआईडी संबंधी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गईं। यह अभियान डिजिटल माध्यम से जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। मंडल सभागार में आयोजित विशेष मेगा कैंप में 404 डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र तैयार किए गए। मेगा कैंप का शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल और पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव ध्रुबज्योति सेन गुप्ता ने किया। रजनीश अग्रवाल ने कहा कि अब पेंशनर आधार आधारित बायोमीट्रिक और फेस ऑथेंटिकेशन सुविधा से घर बैठे अपना जीवन प्रमाण पत्र बना सकते हैं। वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी वैभव गुप्ता ने बताया कि पिछले वर्ष प्रयागराज मंडल ने 525 डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाए थे, जो भारतीय रेलवे में सर्वाधिक थे। संयुक्त सचिव ध्रुबज्योति सेन गुप्ता ने डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि डिजिटल माध्यम से तैयार किए गए जीवन प्रमाण पत्र अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक हैं।

कंगना बोलीं- राहुल गांधी मॉक पार्लियामेंट में ही अपना ख्वाब पूरा कर सकते हैं, असल संसद में नहीं

प्रयागराज। कंगना ने विपक्ष के लोकतंत्र बचाओ यात्रा अभियान और राहुल गांधी के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विपक्ष के ऐसे राजनीतिक पैंतरे और झांसे काम करने वाले नहीं हैं। ये सब सिर्फ मॉक पार्लियामेंट में ही सपने पूरे कर सकते हैं। वास्तविक पार्लियामेंट में इनके सपने पूरे होने वाले नहीं हैं। अभिनेत्री एवं सांसद कंगना रनौत बुधवार को सिविल लाइंस स्थित एक उद्घाटन समारोह में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने प्रशंसकों का अभिवादन किया और दीपावली व भैया दूज की शुभकामनाएं दीं। कंगना ने प्रयागराज को आध्यात्मिक नगरी बताते हुए यहां आगमन को अपना परम सौभाग्य बताया।



एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रयागराज आईं फिल्म अभिनेत्री एवं सांसद कंगना रनौत ने विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने विपक्ष के लोकतंत्र बचाओ यात्रा अभियान और राहुल गांधी के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विपक्ष के ऐसे राजनीतिक पैंतरे और झांसे काम करने वाले नहीं हैं। ये सब सिर्फ मॉक पार्लियामेंट में ही सपने पूरे कर सकते हैं। वास्तविक पार्लियामेंट में इनके सपने पूरे होने वाले नहीं हैं। जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ खड़ी है।

गोवंश ले जा रहे ट्रक की जब्ती पर अंतरिम रोक, नीलामी या बिक्री नहीं होगी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम के तहत जब्त किए गए ट्रक के मामले में याची को अंतरिम राहत दी है। कोर्ट ने ट्रक की नीलामी, बिक्री और किसी अन्य को हस्तांतरित करने पर रोक लगा दी है। चार दिसंबर को मामले की सुनवाई होगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम के तहत जब्त किए गए ट्रक के मामले में याची को अंतरिम राहत दी है। कोर्ट ने ट्रक की नीलामी, बिक्री और किसी अन्य को हस्तांतरित करने पर रोक लगा दी है।

चार दिसंबर को मामले की सुनवाई होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति संदीप जैन की एकल पीठ ने बुधवार को ट्रक मालिक जान मोहम्मद की याचिका पर दिया। अभियोजन के अनुसार 29 सितंबर 2024 को अलीगढ़ के खैर थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ट्रक पकड़ा था। आरोप है कि उसमें गोवंश लदे थे, जिन्हें हरियाणा ले जाया जा रहा था। चालक के पास से पशुओं को बेहोश करने के लिए इस्तेमाल होने वाला नशीला पाउडर भी बरामद हुआ था। जिला प्रशासन ने नौ अप्रैल 2025 को ट्रक जब्त कर राज्य के पक्ष में आदेश पारित किया था। मंडलायुक्त ने 17 जुलाई 2026 को अपील खारिज कर दी थी। याची ने जब्ती को मनमाना बताते हुए दोनों आदेशों को चुनौती दी है। उसका कहना है कि पशुओं को वध के लिए ले जाने का कोई प्रमाण नहीं है। कोर्ट ने आदेश दिया कि अगली सुनवाई तक ट्रक न बेचा जाएगा, न नीलाम होगा और न ही उस पर किसी तीसरे पक्ष का अधिकार बनाया जाएगा।

0

अधिवक्ताओं की गैरमौजूदगी पर कोर्ट नाराज, कहा–न्यायिक कार्यवाही ठप नहीं हो सकती

प्रयागराज। अधिवक्ताओं की गैरमौजूदगी और अदालत के प्रवेश द्वार पर जमावड़े को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने कहा कि वकीलों के जानबूझकर काम नहीं करने से न्यायिक प्रक्रिया ठप नहीं हो सकती। मामले में शासकीय अधिवक्ता से रिपोर्ट तलब करने के साथ तीन याचियों की गिरफ्तारी पर भी रोक लगा दी है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने न्यायकक्ष में अधिवक्ताओं की गैरमौजूदगी और अदालत के कामकाज में बाधा पहुंचाने की कोशिश पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि अधिवक्ताओं के जानबूझकर न्यायकक्ष में नहीं रहने पर न्यायिक कार्यवाही ठप नहीं हो सकती। साथ ही कोर्ट ने शासकीय अधिवक्ता से अपर शासकीय अधिवक्ताओं की गैरमौजूदगी पर भी रिपोर्ट मांगी है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट और न्यायमूर्ति दिवेश चंद्र सामंत की खंडपीठ ने सलमान अख्तर व दो अन्य की याचिका पर दिया। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट में याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी करने के लिए कोई उपस्थित नहीं हुआ। राज्य सरकार की ओर से भी अपर शासकीय अधिवक्ता अदालत में मौजूद नहीं थे। इस पर कोर्ट ने शासकीय अधिवक्ता को उनकी अनुपस्थिति का कारण बताने वाली रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है।

कोर्ट ने कहा कि सूचना मिली है कि बड़ी संख्या में अधिवक्ता बाहर एकत्र थे और अदालत का प्रवेश द्वार रोक रखे थे। ऐसी स्थिति में कर्मचारियों को न्यायाधीशों के लिए निर्धारित दरवाजे से अंदर आने के लिए कहा गया। कोर्ट ने कहा कि अधिवक्ताओं के जानबूझकर काम न करने से न्यायिक प्रक्रिया बाधित नहीं हो सकती। इसी मामले में कोर्ट ने एफआईआर और याचिका के तथ्यों पर विचार कर तीनों याचियों की गिरफ्तारी पर भी रोक लगा दी। कोर्ट ने राज्य सरकार से चार सप्ताह में जवाब मांगा है। साथ ही प्रतिवादी संख्या आठ को नोटिस जारी किया गया है।

सफाई कर्मी हड़ताल पर, एसआरएन अस्पताल में लगा गंदगी का अंबार

प्रयागराज। स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन) और मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज (एमएलएन) के आउटसोर्सिंग सफाई कर्मी बुधवार को हड़ताल पर चले गए। वे अपने दो माह के बकाया वेतन सहित अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। इस हड़ताल के कारण अस्पताल की सफाई व्यवस्था बुरी तरह लड़खड़ा गई। ओपीडी कॉम्प्लेक्स, पुराने और पीएमएसएसवाई बिल्डिंग में गंदगी का अंबार लग गया। वार्डों में मलहम पट्टी और अन्य प्रकार का कूड़ा इधर–उधर फेंका नजर आया। लेबर रूम और पीएमएसएसवाई बिल्डिंग के वार्डों की स्थिति सबसे खराब रही। गंदगी और दुर्गंध से चिकित्सक, कर्मचारी, मरीज और तीमारदार सभी परेशान दिखे। इसके बाद कार्यदायी संस्था को हड़ताल समाप्त कराने के लिए वेतन बांटना पड़ा। कार्यदायी संस्था ने 750 में से 300 सफाई कर्मियों का वेतन देर शाम तक जारी किया। वेतन मिलने के बाद कुछ सफाई कर्मियों ने अपनी सेवाएं देना शुरू कर दिया। शेष सफाई कर्मियों का वेतन बृहस्पतिवार की दोपहर तक देने का आश्वासन दिया गया है।

अस्पताल प्रशासन की तरफ से सितंबर में ही सफाई कर्मियों का वेतन जारी करने का निर्देश दिया गया था। कार्यदायी संस्था की तरफ से लापरवाही बरती गई। फिलहाल 300 से अधिक सफाई कर्मियों की सैलरी मिल गई है। बाकी अन्य कर्मचारियों का वेतन बृहस्पतिवार दोपहर तक मिल जाएगा। सफाई कर्मियों की हड़ताल समाप्त हो गई है। –डॉ. नीलम सिंह, प्रमुख अधीक्षक, एसआरएन अस्पताल।

संक्षिप्त

ई-रिक्शा चालक की पिटाई करने वाले चार गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। रहीमाबाद में इंस्टाग्राम पर अभद्र टिप्पणी का विरोध करने पर ई-रिक्शा चालक की पिटाई का मामला सामने आया है। पीड़ित का आरोप है कि गांव के छह लोगों ने घर पहुंचकर उसे लाठी-डंडों और लात-घूंसों से पीटा। पुलिस ने छह आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। बृहस्पतिवार को चार नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पीड़ित के मुताबिक, उसने 26 अक्टूबर को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील पोस्ट की थी। आरोप है कि गांव के आसिफ ने अपनी आईडी से रील के कमेंट सेक्शन में वॉयस रिकॉर्डिंग भेजकर उसे गालियां दीं और मारपीट की धमकी दी। पीड़ित ने अपनी नाबालिग बहन के साथ भी रास्ते में छेड़छाड़ और परेशान करने का आरोप लगाया है। उसके मुताबिक, बहन को स्कूल जाते समय कुछ लोग परेशान करते हैं। आरोप है कि 28 अक्टूबर की शाम करीब पांच बजे आसिफ, वाहिद, अरबाज और फुरकान समेत दो अज्ञात लोग उसके घर पहुंचे। उन्होंने जातिसूचक अपशब्द कहे और गाली-गलौज की। विरोध करने पर सभी ने युवक को लाठी-डंडों और लात-घूंसों से पीटा। इससे उसे चोटें आईं। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर चले गए। पुलिस ने एससी-एसटी एक्ट, छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। बृहस्पतिवार को मुखबिर की सूचना पर आसिफ, वाहिद, अरबाज और फुरकान को गांव से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।



आग लगने से तीन दुकानें जली, 4 दमकल की गाड़ियों ने पाया काबू

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के कृष्णानगर स्थित बरिगवां इलाके में गुरुवार तड़के आग लगने से तीन दुकानें जल गईं। आग की चपेट में दुकानों के बाहर लगे बैनर और होर्डिंग भी आ गए। सूचना पर पहुंची दमकल की चार गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। इस दौरान दुकान के सामने खड़ी तीन स्कूटी सुरक्षित बचा ली गईं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी के निर्देश पर गुरुवार रात 2.28 बजे सूचना मिलते ही आलमबाग और सरोजनीनगर फायर स्टेशन से एक-एक दमकल गाड़ी भेजी गई। आग की गंभीरता को देखते हुए हजरतगंज और पीजीआई फायर स्टेशन से भी एक-एक गाड़ी बुलाई गई। दमकल टीम ने उपकरणों की मदद से बगल की दो दुकानों के शटर और ताले काटकर खोले। इसके बाद अंदर तक पहुंचकर आग बुझाई गई। चार दमकल गाड़ियों और एक एफक्यूआरवी की मदद से आग पूरी तरह काबू में की गई।दमकल कर्मियों ने दो हौज पाइप की मदद से आग बुझाने का काम शुरू किया। आग आसपास की दुकानों और बाहर खड़े दोपहिया वाहनों तक फैलने का खतरा था। इस पर सरोजनीनगर से एफक्यूआरवी भी मौके पर बुलवाई गई। अग्निशमन विभाग के मुताबिक, आग से शिवाय ऑटोमोबाइल में रखे ऑटोमोबाइल पार्ट्स समेत अन्य सामान जल गया। दुकान के सामने खड़ी तीन स्कूटी सुरक्षित बचा ली गईं। वहीं, डायमंड रेस्टोरेंट और बत्रा भोजनालय का सामान भी आग की चपेट में आकर जल गया। बत्रा भोजनालय के मालिक पुष्पेंद्र सिंह बत्रा हैं। आग लगने के कारणों और नुकसान का पूरा आकलन किया जाना बाकी है।

ट्रिपल मर्डर के पीड़ित परिवार से मिलीं अपर्णा यादव

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के सआदतगंज में हुए ट्रिपल मर्डर के पीड़ित परिवार से गुरुवार को उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव मिलने पहुंचीं। उन्होंने शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दी और न्याय का भरोसा दिलाया। इस दौरान मृतक शिवाजी तिवारी की पत्नी ऊषा तिवारी और शिवेंद्र की पत्नी रुचि तिवारी समेत परिवार के अन्य सदस्यों ने हाथ जोड़कर अपनी आपबीती सुनाई और न्याय की गुहार लगाई। अपर्णा यादव ने कहा कि पीड़ित परिवार ने मुख्यमंत्री से मिलने का समय मांगा है। वह अपनी तरफ से पूरा प्रयास करेंगी कि मुख्यमंत्री परिवार से मुलाकात करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री न्याय के प्रति प्रतिबद्ध हैं। परिवार की मांगों और समस्याओं को उनके सामने रखा जाएगा। अपर्णा यादव ने परिवार की बच्ची की पढ़ाई में मदद का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि बच्ची जिस स्कूल (सीएमएस) में पढ़ती है, वहां उसकी फीस माफी के लिए वह अपनी तरफ से प्रयास करेंगी। स्कूल प्रशासन से उनके अच्छे संबंध हैं और स्कूल जरूरतमंद बच्चों की मदद करता रहा है। अपर्णा यादव ने कहा कि एक ही घर में दिनदहाड़े तीन लोगों की हत्या की घटना बेहद भयावह है। इस तरह का अपराध पूरे प्रदेश को झकझोर देने वाला है। उन्होंने कहा कि इस वारदात को अंजाम देने वाले व्यक्ति को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। वह इस संबंध में लिखित रूप से भी अपनी बात रखेंगी। परिवार को सुरक्षा और न्याय दिलाने के लिए प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से बात करेंगी। महिला आयोग और सरकार की ओर से जो भी मदद संभव होगी, उसे दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

मांस तस्करी मामले में वांछित चल रहा तीसरी आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। रहीमाबाद थाना पुलिस ने मांस की तस्करी के मामले में वांछित चल रहे तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हरदोई जिले के संडीला थाना क्षेत्र के मुन्नू खेड़ा गांव निवासी इस्लामुद्दीन (36) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अब चौथे आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस के मुताबिक, बीते 2 नवंबर को रहीमाबाद थाना क्षेत्र के रुसेना गांव निवासी भूपेंद्र अर्कवंशी ने तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था कि एक ओमनी वैन से भारी मात्रा में मांस ले जाया जा रहा था।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में सड़क सुरक्षा एवं साइबर सिक्योरिटी पर जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली का आयोजन

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज, प्रयागराज में राष्ट्रीय सेवा योजना (छै) के तत्वावधान में सड़क सुरक्षा एवं साइबर सिक्योरिटी के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० अजय प्रकाश खरे के मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित सब-इंस्पेक्टर श्री जय प्रकाश सिंह ने साइबर सिक्योरिटी विषय पर व्याख्यान देते हुए विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के विभिन्न स्वरूपों, ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी कॉल, ओटीपी साझा करने से होने वाले नुकसान तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यमों का सावधानीपूर्वक उपयोग करने तथा साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया।

इसी क्रम में ट्रैफिक इंस्पेक्टर श्री पवन पाण्डेय ने सड़क सुरक्षा विषय पर व्याख्यान देते हुए यातायात नियमों के पालन, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य प्रयोग, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और थोड़ी-सी सावधानी अनेक बहुमूल्य जीवन बचा सकती है।



कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों द्वारा सड़क सुरक्षा एवं साइबर सिक्योरिटी के प्रति जन-जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से जागरूकता रैली भी निकाली गई। रैली के माध्यम से आमजन को यातायात नियमों का पालन करने तथा साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना के संचालनन का कार्य डॉ राम चिरंजीव ने किया तथा कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राजेश कुमार यादव ने धन्यवाद ज्ञापन किया और डॉ. सपना मौर्य, डॉ. पूजा गौड़, डॉ चन्दन कुमार आदि लोगो की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर महाविद्यालय के अन्य शिक्षकगण, कर्मचारी एवं अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने के साथ-साथ उन्हें सड़क सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाना रहा।

राष्ट्रीय अष्टावक्र प्रेरणा श्री सम्मान 2026 से सम्मानित हुए वरिष्ठ समाजसेवी एवं शिक्षक श्रीनारायण यादव

प्रयागराज सामाजिक संस्थाओं ने दी बधाई

प्रयागराज। अनाम स्नेह प्रयागराज के संयोजक, वरिष्ठ समाजसेवी एवं शिक्षक आदरणीय श्रीनारायण यादव जी को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए राष्ट्रीय अष्टावक्र प्रेरणा श्री सम्मान से लखनऊ के गोमती नगर स्थित अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में विकलांग साथी ट्रस्ट द्वारा आयोजित ज्योतिमय अष्टावक्र महोत्सव-2026 में डॉ जयशंकर मिश्र, पी ,चांसलर ,सुशांत यूनिवर्सिटी, गुरूग्राम, हरियाणा, प्रो संजय सिंह ,वाइस चांसलर,डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ, श्री अखिलेश कुमार को डिप्टी कमिश्नर दिव्यांगजन/पूर्व ज्वाइन डायरेक्टर दिव्यंजन सशक्तिकरण विभाग, श्री अजय पांडेय , श्री विष्णु कांत मिश्र जी ने अपने कर-कमलों से उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। श्रीनारायण यादव जी को यह सम्मान मिलने से प्रयागराज के सामाजिक एवं शैक्षिक जगत में हर्ष और उत्साह का माहौल है। लोक सेवक मंडल, अनाम स्नेह, सामाजिक एकता परिषद, दिव्यांग मोर्चा, वरिष्ठ पार्षद कल्याण समिति सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं एवं शहर के गणमान्य नागरिकों ने



प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर सभी ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद श्रीनारायण यादव के समाजसेवा, शिक्षा, संघर्ष, समर्पण, मानवीय संवेदना तथा दिव्यांगजनों के उत्थान के लिए किए गए अनुकरणीय कार्यों को देखते हुए उन्हें देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मानों में से एक सम्मान से अलंकृत किया जाना चाहिए।

शुभकामनाएं देने वालों में लोक सेवक मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजकुमार चोपड़ा, वरिष्ठ पार्षद श्री आनंद घिड़ियाल, श्री शिवसेवक सिंह, श्री रजनीश पासी, लोक सेवक मंडल के सचिव श्री ब्रह्मप्रकाश तिवारी, सामाजिक एकता परिषद के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश शुक्ला, कर्मचारी नेता श्री रविशंकर मिश्र, मातृ स्नेह संगठन की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रानी तिवारी, दिव्यांग मोर्चा के अध्यक्ष श्री लवलेश सिंह, वरिष्ठ समाजसेविका श्रीमती प्रेमलता शुक्ला, श्री अनिल कुमार जायसवाल, श्री घनश्याम मास्टर, डॉ. यशवंत पाल, डॉ. विनय कुमार (सीएमओ), कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्री फूलचंद यादव सहित प्रयागराज के दर्जनों गणमान्य नागरिक शामिल रहे। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि श्रीनारायण यादव जी को मिला यह सम्मान उनके वर्षों के संघर्ष, निस्वार्थ सेवा और समाज के वंचित एवं दिव्यांग वर्ग के प्रति समर्पण का सम्मान है। उनकी सेवाभावी यात्रा समाज के अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनी रहेगी।

दीपावली और छठ पर लखनऊ में नहीं होगी बिजली कटौती

लेसा के चारों जोन में कंट्रोल रूम एक्टिव, 24 घंटे तैनात रहेंगे इंजीनियर और कर्मी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में दीपावली से लेकर लोक आस्था के महापर्व छठ तक उपभोक्ताओं को निर्बाध और बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लखनऊ विद्युत आपूर्ति प्रशासन (लेसा) पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। त्योहारों के दौरान शहर में कहीं भी बिजली कटौती या ट्रिपिंग की समस्या न हो, इसके लिए लेसा के चारों प्रमुख जोनों में अलग-अलग कंट्रोल रूम बना दिए गए हैं और उनके संपर्क नंबर भी जारी कर दिए गए हैं। हर कंट्रोल रूम में तीन शिफ्टों में अभियंताओं और तकनीकी कर्मचारियों की



ड्यूटियां लगाई गई हैं। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के निदेशक (तकनीकी) हरीश बंसल के निर्देशानुसार, दीपोत्सव के दौरान बिजली आपूर्ति में किसी भी प्रकार का व्यवधान आने पर तुरंत एक्शन लिया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक कंट्रोल रूम को चौबीस घंटे खुला रखने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, हर कंट्रोल रूम के साथ एक अतिरिक्त तकनीकी गैंग भी तैनात की गई है, जिसमें तीन कर्मचारी शामिल हैं। यह गैंग किसी भी शिकायत पर तुरंत मौके पर पहुंचकर फाल्ट को दुरुस्त करेगी। इसके अलावा केंद्रीय हेल्पलाइन नंबर 1912 को भी पूरी तरह सक्रिय कर दिया गया है। लखनऊ मध्य जोनरू मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल के अंतर्गत संचालित इस जोन का कंट्रोल रूम 24 घंटे खुला रहेगा। उपभोक्ता किसी भी शिकायत के लिए सीधे हेल्पलाइन नंबर 1912 पर कॉल कर सकते हैं। जानकीपुरम जोन मुख्य अभियंता वीपी सिंह के नेतृत्व में यहाँ भी चौबीस घंटे कंट्रोल रूम काम करेगा।कंट्रोल रूम और शिफ्टवार कर्मचारियों की तैनाती कर दी गई है।

संविदाकर्मी मौत मामला: जांच में दो एसडीओ और दो जेई दोषी करार, चारों इंजिनियरों को थमाई गई चार्जशीट

लखनऊ, संवाददाता। मोहनलालगंज न्यू बिजली उपकेंद्र पर 29 अक्टूबर को संविदाकर्मी कीमौत के मामले में गठित जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। जांच में सुरक्षा मानकों की अनदेखी और पर्यवेक्षणीय दायित्वों में गंभीर लापरवाही बरतने के आरोप में दो सहायक अभियंता (एसडीओ) और दो अवर अभियंता (जेई) को आंशिक रूप से दोषी पाया गया है, जिसके बाद विभाग ने चारों अभियंताओं को चार्जशीट (आरोप पत्र) जारी कर दी है। जांच रिपोर्ट के अनुसार, 29 अक्टूबर को 11 केवी मोहनलालगंज टाउन फीडर पर शाम 4रू19 बजे अकुशल संविदाकर्मी राजेश कुमार ने ट्रांसफार्मर का फ्यूज बांधने के लिए शटडाउन लिया था।

धनतेरस शुभ नाम है

(छप्पय)

हर दिन शुभ त्यौहार माह कार्तिक ले आया।
शीतल मधुर बयार करे उर्जित मन-काया।
प्रातः काल नहान भानुजा मंगलकारी।
अर्पित कर एक दीप नमन करते नर-नारी।
यह मेला उत्सव पर्व का अद्भुत सुखद मिलान है।
सुखदायी जिसका हर दिवस रिश्तों की मुस्कान है।।

सागर मंथन बीच देव वैद्यक अवतारे।
अमृत कलश सँभाल हर रहे पीड़ा सारे।
चतुर्भुजी कमनीय रूप मन को हरषाया।
आयुर्विद्या-ज्ञान जगत को सहज दिखाया।
कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी धनतेरस शुभ नाम है।
प्रकटे प्रभु धनवंतरी जिनको नमन प्रणाम है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

प्लास्टिक बैंक की स्थापना- स्वच्छ दिवाली, शुभ दिवाली अभियान

प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज द्वारा स्वच्छ दिवाली, शुभ दिवाली अभियान के अंतर्गत जोन-04, वार्ड संख्या-32, एलनगंज स्थित एनी बेसेंट गर्ल्स इंटरमीडिएट कॉलेज, प्रयागराज में प्लास्टिक बैंक की स्थापना की गई। नगर निगम प्रयागराज की IEC टीम ने विद्यालय के स्वच्छता सारथी क्लब के सदस्यों के साथ मिलकर जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को कचरे के उचित संग्रहण एवं चार प्रकार के कचरे के पृथक्करण, सिंगल यूज़ प्लास्टिक के दुष्प्रभावों तथा इसके पर्यावरण अनुकूल विकल्पों की जानकारी दी गई। प्लास्टिक बैंक की स्थापना के पश्चात बच्चों ने स्वयं उसमें प्लास्टिक कचरा जमा किया तथा एकत्रित प्लास्टिक के वैज्ञानिक प्रसंस्करण एवं पुनर्चक्रण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित सदस्यों ने विद्यालय परिसर को स्वच्छ एवं सिंगल यूज़ प्लास्टिक मुक्त बनाने तथा अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता अपनाने का संकल्प लिया। हमारा संकल्प- प्लास्टिक नहीं फैलाएंगे, प्लास्टिक बैंक में पहुंचाएंगे।

उत्तराखंड में बर्फ में दबने से जान गंवाने वाली 2 सगी बहनों के शव लखनऊ पहुंचे

लखनऊ, संवाददाता। गुरुवार सुबह 10 बजे उत्तराखंड में बर्फ में दबने से जान गंवाने वाली 2 सगी बहनों के शव लखनऊ पहुंचे घर पहुंचे में चीख-पुकार मच गई। पिता फूट-फूटकर रो पड़े। उन्होंने रोते हुए कहा- ये मेरी बेटियां नहीं, मेरा नूर थीं। जिगर का टुकड़ा थीं। जहां जाती थीं, साथ जाती थीं। आज दोनों एक साथ हमें छोड़कर चली गईं। हमें नहीं पता था कि ये दिन भी देखना पड़ेगा। दरअसल, उत्तरकाशी के केदारताल ट्रैक पर लखनऊ के गायत्रीपुरम में रहने वाली वर्तिका और दीपिका की मौत हो गई थी। दोनों को पहाड़ों पर ट्रेकिंग का शौक था।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या : 26/52 दिनांक : 03.11.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तमरेल, प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001:2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं-

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	50266063	इसक्लोपीडस बैंक आईपीएस	11 Nos.	23/11/2026
2	50265709	मैनुफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ सिंग सेंटिंग डिवाइस (टक्करवाली) टू ड्राइंग नं0 टी-6216.	342.00 सेट.	27-NOV-26
3	30062496	इंग वाशर डिस ब्रैकेट	208 नग	24.11.2026
4	38262706	वर्टीकल लिन पॉवर बी.एच.बी.एस डोगी	19316 नग	07.12.2026
5	38262705	ब्रेक हेड लिन पॉवर बी.एच.बी.एस	23003 नग	29.12.2026
6	6326RQC20	डिस इंप टैंडर टू इंटर इनटू एनिक कन्स्ट्रैक्ट पॉवर मैनुफैक्चर (या सप्लाई) ऑफ वैक्यमली सील्ड ऑफ डिसेन्ट आर्मीचरगो ड्राईंग नं0-टी-4865, टी-4218, टी-9088, एंड टी-6870.	19696.00 Num. 1370.00 Set.	01-DEC-26
7	38263175	सेट ऑफ गैसकेट एलम्बर सिलिंग	2500 सेट	30.11.2026
8	20265016	आई.ओ.एच. सर्जिस सिट	75 सेट	25.11.2026
9	20265011	बैटरी (Ni-Cd) सिंथ सपेयर्स & एसेसीरिज़	12 सेट	15.12.2026
10	40261510	इलेक्ट्रोलीथिटिक कॉपर हार्ड ड्रान वायर	8730 वैट	18.12.2026

नोट : उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदादों में किसी भी व्यवसाय/छुट्टि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अंतर से छुट्टि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 2516/26 (D)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सं0: पी आर वाई जे-सिग-047-2026-27 दिनांक: 03.11.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरि0 मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/समा0/उत्तर मध्य रेल/प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

क्र. सं. 1	निविदा नं.: 047
निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹):	₹ 0.00
कार्य का विवरण:	प्रयागराज मंडल के पं0 दीन दयाल उपाध्याय-कानपुर खण्ड में सुजातपुर (एसजेटी) स्टेशन एवं नैनी (एनवाईएन) जंक्शन पर लगे हुये वेस्टरेप (सीमेन्स मेक) इलेक्ट्रानिक इन्टर लॉकिंग प्रकल्प का तीन वर्ष के लिये समग्र (कम्प्रेहेन्सिव) अनुरक्षण अनुबन्ध।
अनुमानित मूल्य (₹):	₹ 7012147.68
बिड सिक्यूरिटी (₹):	₹ 140300.00
कार्य समापन की अवधि:	छत्तीस माह
निविदा खुलने की तिथि:	01.12.2026

2. निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता: निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

3. निविदा खुलने का समय तथा स्थान: निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जाएगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जाएगी। 2521/26(AK)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. : टीएमसी/सीपीओ0ओएच/प्रया./26-27/04 दिनांक : 03.11.2026

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर/टीएमसी/सीपीओ0ओएच/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 26.11.2026 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:

निविदा सं. : टीएमसी-सीपीओ0ओएच-प्रया-04-26-27	अनुमानित मूल्य (रु.) : 33398280.81
कार्यों का विवरण : सीपीओ0ओएच वर्कशाप, सूबेदारगंज, प्रयागराज में 02 साल के लिए कार्य अनुसूची के अनुसार हाइड्रोलिक लीज, हाइड्रोलिक सिलिंडर और सब-असैंबली अवतकर ट्रैक मशीनों की मरम्मत का कार्य।	
कार्य समापन की अवधि : 24 माह	बयाना राशि (रु.) : 668000.00
निविदा खुलने की तिथि : 26.11.2026	निविदा प्रपत्र की लागत (रु.) : निल
पात्रता मानदंड के लिए समान कार्य : किसी भी ट्रैक मशीन की मरम्मत का कार्य।	

नोट : 1. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर क्रमशः समय 15:00 बजे तक निविदा खुलने की तिथि तक उपलब्ध रहेगा। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु बेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्शियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर, यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. माल एवं/अथवा सेवाओं से सम्बन्धित/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी.एस.टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। 5. संतान लिये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 6. निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान अथवा GCC में निर्धारित नियम के अनुसार ही स्वीकार की जायेगी। 7. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 8. ऑन लाइन निविदा दिनांक 26.11.2026 समय 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 2515/26 (C)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

सम्पादकीय.....

गरीबी के आंकड़े

विश्व बैंक की निर्धनता एवं समानता संबंधी रिपोर्ट में यह कहा जा रहा है कि वर्ष 2011 से 2023 के बीच देश में करीब पचास करोड़ लोग गरीबी की रेखा से बाहर निकाले गए। इस रिपोर्ट में आगे कहा गया कि अत्यधिक निर्धन वर्ग के लोगों की संख्या में भी करीब पच्चीस फीसदी की कमी आई है। यह संख्या अब घटकर कुल आबादी की 2.6 फीसदी रह गई है। दावा किया जा रहा है कि निम्न मध्यम वर्ग के लोगों की तादाद में भारी कमी आ रही है। निस्संदेह, इन आंकड़ों को लेकर सरकारें अपनी पीठ थपथपा सकती हैं। कहा जा रहा है कि राजग सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की इसमें अहम भूमिका रही। लेकिन सवाल यह है कि ये आंकड़े कितने प्रामाणिक हैं और क्या विज्ञान–सम्मत तरीके से लिये गए हैं? अर्थशास्त्र में आंकड़ों को लेकर एक मशहूर उक्ति है– 'आंकड़े ऐसी कच्ची मिट्टी है, जिससे देवता और दैत्य दोनों बनाए जा सकते हैं।' यानी सरकारें उनका उपयोग अपनी सुविधा के अनुसार कर सकती हैं। हालांकि, गरीबी में कमी की यह शुरुआत संप्रग सरकार के समय के आंकड़ों के साथ की गई है। जिसकी समयावधि वर्ष 2011 से शुरू होती है। राजग सरकारों के कार्यकाल में जरूर अधिक समय को अध्ययन में शामिल किया गया है। जिसमें निर्धनता की आई कमी के कारणों में खपत में वृद्धि, रोजगार और खासकर महिलाओं के रोजगार में वृद्धि, सामाजिक कल्याण योजनाओं तथा खाद्य सब्सिडी जैसे कार्यक्रम को शामिल किया गया है। लंबे समय से देश राजनेताओं के गरीबी हटाओ के नारों व कार्यक्रमों का साक्षी रहा है। लेकिन उन कार्यक्रमों की सफलता इस बात पर निर्भर होती है कि गरीब कल्याण की योजनाओं का कितने कारगर ढंग से क्रियान्वयन हुआ। कितनी ईमानदारी से गरीब के हाथ में कल्याण योजनाओं की राशि पहुंची। बहरहाल, राजग सरकार का दावा है कि गरीबी रेखा के नीचे रहने वालों को इससे बाहर निकालने में जन–धन योजना,प्रधानमंत्री आवास योजना,घर–घर शौचालय, घर–घर नल व आयुष्मान योजना की बड़ी भूमिका रही है। एक समय था कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि लोककल्याण के कार्य हेतु आवंटित हुए एक रुपये में से सिर्फ पंद्रह प्रतिशत ही जरूरतमंद के हाथ में पहुंचता है। हालांकि, न खाऊंगा और न खाने दूंगा के उद्घोष के बाद वास्तविक स्थिति में क्या बदलाव आया, यह अध्ययन का विषय होना चाहिए। हालांकि, विपक्षी नेता इस स्थिति के बावजूद मुफ्त खाद्यान्न वितरण कार्यक्रम की जरूरत को लेकर भी सवाल उठाते हैं। यह सुखद है कि देश में कुछ जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों को अपना जीवन स्तर सुधारने का अवसर मिला। लेकिन देश में अक्सर यह सवाल उठाया जाता रहा है कि जब भारत दुनिया में सबसे तेज गति से विकसित होती अर्थव्यवस्था है, तो लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव क्यों नहीं आता? क्यों देश में अमीरी–गरीबी की खाई लगातार बढ़ती जा रही है? सही मायने में किसी देश में होने वाला विकास न केवल तर्कसंगत होना चाहिए, बल्कि न्यायसंगत भी होना चाहिए। वैसे यदि वास्तव में आंकड़ों के अनुसार देश में गरीबी में कमी आई है तो यह हमारे लिये उत्साहजनक स्थिति है। यह जानते हुए कि इस अवधि में हमने कोरोना का भयावह काला दौर देखा था। भारी संख्या में जनधन की हानि हुई, लेकिन अब ये अतीत की बातें बन चुकी हैं। बहरहाल, विश्व बैंक के आंकड़ों के आलोक में केंद्र सरकार को देश में गुणवत्ता वाले रोजगार के अवसरों में तुरंत वृद्धि करनी चाहिए। उसे महसूस करना चाहिए कि देश में युवा सड़कों पर क्यों हैं। उसके लिये अवसरों की कमी क्यों हो रही है? देश में आय की असमानता कैसे दूर होगी? निस्संदेह, भारत एक श्रमप्रधान देश है। देश की बड़ी आबादी सघन श्रमशक्ति वाले उद्योगों से जुड़ी है। ऐसे में जब पश्चिमी देशों में एआई केंद्रित उत्पादकता पर बल दिया जा रहा है, तो भारतीय श्रमप्रधान उद्योगों को बचाने की जरूरत होगी। तभी हमारे देश में आर्थिक असमानता दूर करने और गरीबी उन्मूलन के लक्ष्य पाये जा सकेंगे।

अवध प्रांत का इतिहास: हिंडोर, प्रतापगढ़ और सोमवंश की प्राचीन कड़ी चावना जनजाति

'प्रस्तावना'

भारत का इतिहास केवल बड़े साम्राज्यों और प्रसिद्ध युद्धों तक सीमित नहीं है। उसका एक बहुत बड़ा हिस्सा क्षेत्रीय गजेटियरों, लोककथाओं और स्थानीय जनजातियों के इतिहास में छिपा हुआ है। ऐसा ही एक समृद्ध और गौरवशाली इतिहास उत्तर प्रदेश के मध्य–पूर्वी हिस्से यानी अवध प्रांत का है। ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के दौरान वर्ष 1877 में प्रकाशित अवध गजेटियर एक ऐसा ऐतिहासिक दस्तावेज है, जो इस क्षेत्र के विस्तृत इतिहास की कड़ियों को आपस में जोड़ता है। इस गजेटियर के प्रतापगढ़ परगना खंड के पृष्ठ 146 और 147 में एक अत्यंत प्राचीन और ऐतिहासिक गाथा का विवरण मिलता है, जो महाभारत काल से लेकर मध्यकाल तक फैली हुई है। यह इतिहास हिंडोर, प्राचीन अरूर / अरोल यानी आधुनिक प्रतापगढ़, सोमवंश के राजाओं और उनसे जुड़ी चावना जनजाति के अंतर्संबंधों को उजागर करता है।

1. हिंडोरः महाभारत से आरंभ'

इस ऐतिहासिक यात्रा की शुरुआत प्राचीन कस्बे हिंडोर से होती है। अवध गजेटियर के अनुसार, हिंडोर का इतिहास प्रागैतिहासिक और पौराणिक काल से जुड़ा हुआ है। इस कस्बे का मूल नामकरण और इसकी स्थापना एक प्राचीन दैत्य या राक्षस हांडवी के नाम पर हुई थी। स्थानीय लोककथाओं और गजेटियर के विवरण के मुताबिक, महाभारत काल में पांडु पुत्र भीमसेन का इस क्षेत्र में आगमन हुआ था। भीमसेन ने इस क्षेत्र को आतंक से मुक्त कराने के लिए हांडवी के साथ एक भयंकर युद्ध किया और उसे पराजित किया।

इस युद्ध के बाद एक महत्वपूर्ण सामाजिक और पारिवारिक गठबंधन हुआ, जिसमें हांडवी की पुत्री का विवाह भीमसेन से कर दिया गया। पौराणिक संदर्भों में इस पात्र को हिडिंबा के रूप में जाना जाता है, लेकिन अवध के इस विशिष्ट क्षेत्रीय गजेटियर में उसे हांडवी नाम से संबोधित किया गया है। भीमसेन और हांडवी के इसी मिलन से जिस नए वंश या कबीले का जन्म हुआ, उसे स्थानीय इतिहास में चावना नाम दिया गया। यह नाम इस क्षेत्र की प्राचीन जनजातीय और क्षत्रिय पहचान का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन गया।

आज भी इस क्षेत्र में भयहरणनाथ धाम उसी कथा से जुड़ा है, जहाँ भीम ने बकासुर को मारकर शिवलिंग स्थापित किया। बकुलाही नदी के किनारे बसा यह धाम हिंडोर की कथा को जीवित रखता है।

2. भर राजा और लखन सेन'

कालक्रम में आगे बढ़ने पर हिंडोर का संबंध ऐतिहासिक काल की विभिन्न जातियों और शासकों से जुड़ता है। एक लंबे समय तक इस पूरे क्षेत्र पर भर राजाओं का नियंत्रण था। भर जनजाति इस क्षेत्र की प्राचीन शासक जातियों में से एक थी, जिन्होंने अवध के एक बड़े हिस्से पर अनेक किलों और कोटों का निर्माण करवाया था।

वर्ष 1258 ईस्वी के आसपास, हिंडोर के इतिहास में एक नया मोड़ आया जब लखन सेन नामक एक प्रतापी शासक का उदय हुआ। लखन सेन को भर राजाओं और रायकवार क्षत्रियों का विजेता माना जाता है। उन्होंने इस क्षेत्र में अपनी सत्ता स्थापित की और इसे एक समृद्ध केंद्र के रूप में विकसित किया। गजेटियर का विवरण बताता है कि आज से कुछ सदियों पहले तक हिंडोर एक बेहद विशाल, समृद्ध और घनी आबादी वाला शहर हुआ करता था। यहाँ चारों तरफ व्यापार और कृषि की उन्नत व्यवस्था थी।

हालांकि, इतिहास का चक्र हमेशा एक समान नहीं रहता। बाद के समय में सत्ता में आए स्थानीय राजाओं और शासकों ने जनता पर अत्यधिक कर लगा दिए और उनके साथ अत्याचारपूर्ण व्यवहार किया। इन प्रशासनिक कमियों और करों के अत्यधिक बोझ के कारण यह समृद्ध शहर धीरे–धीरे पतन की ओर अग्रसर हो गया और अंततः एक छोटे कस्बे या गाँव के रूप में सिमट कर रह गया।

3. अरूर से प्रतापगढ़: सोमवंश का उदय'

हिंडोर के साथ ही इस पूरे परगने का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण केंद्र प्रतापगढ़ है। वर्तमान समय में जिसे हम प्रतापगढ़ के नाम से जानते हैं, उसका प्राचीन नाम अरूर था। प्राचीन काल में अरूर / अरोल भी भर राजाओं और रायकवार राजपूतों के अधीन एक शक्तिशाली गढ़ था।

इस क्षेत्र का भाग्य सत्रहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में बदला, जब सोमवंशी राजपूत वंश के एक पराक्रमी राजा प्रताप सिंह का उदय हुआ। राजा प्रताप सिंह ने सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण इस स्थान पर एक विशाल और अभेद्य किले का निर्माण करवाया। इस नए किले की स्थापना के साथ ही उन्होंने इस नगर का नाम अपने नाम पर प्रतापगढ़ रख दिया। धीरे–धीरे इस नए शहर की प्रसिद्धि इतनी बढ़ी कि पूरे परगने का नाम ही अरूर/अरोल से बदलकर प्रतापगढ़ हो गया।

राजा प्रताप सिंह के बाद भी सोमवंशी राजाओं का इस क्षेत्र पर वर्चस्व बना रहा, जिनमें राजा पृथ्वीपत, राजा जय सिंह जैसे शासकों का नाम प्रमुखता से लिया जाता है, जिन्होंने अवध के नवाबों और अन्य पड़ोसी राजाओं के साथ कई ऐतिहासिक लड़ाइयाँ लड़ीं।

4. सोमवंश और चावनारू बांसिक और जग्गिक'

इस पूरे इतिहास का सबसे अनूठा और शोध का विषय सोमवंश की प्राचीन जड़ें और चावना जनजाति का संबंध है। अवध गजेटियर के पृष्ठ 141 पर इस क्षेत्र के क्षत्रियों के सामाजिक विभाजन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण विवरण मिलता है। गजेटियर के संपादक विलियम चार्ल्स बेनेट के अनुसार, इस क्षेत्र के छतरियों या क्षत्रियों को मुख्य रूप से दो प्राथमिक श्रेणियों में विभाजित किया गया था, जिन्हें बांसिक और जग्गिक कहा जाता था। सोमवंशी राजपूत मूल रूप से बांसिक श्रेणी से संबंध रखते थे।

सोमवंशियों की इस शाखा की प्राचीनता और उनकी ऐतिहासिक जड़ें अत्यंत रहस्यमयी और सुदूर अतीत में छिपी हुई हैं। गजेटियर के पृष्ठ 146 पर इस रहस्य से पर्दा उठता है, जहाँ स्पष्ट रूप से लिखा है कि भीमसेन और हांडवी के विवाह से उत्पन्न चावना कबीला वास्तव में सोमबंसी राजपूत वंश की ही सबसे प्राचीन जड़ों या उनके अवशेषों में से एक है।

यह विवरण पारंपरिक इतिहास से थोड़ा अलग और अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सीधे तौर पर एक स्थानीय जनजाति या कबीले को महाभारत कालीन राजवंश और बाद के राजपूत वंश से जोड़ता है। सोमवंश की इस प्राचीन शाखा यानी चावना जनजाति के लोगों ने समय के साथ कई उतार–चढ़ाव देखे। जब तक सोमवंशी राजाओं का शासन मजबूत रहा, तब तक इन कबीलों को राज्य में विशेष स्थान प्राप्त था। लेकिन मध्यकाल और औपनिवेशिक काल के दौरान हुए राजनीतिक बदलावों, युद्धों और नवाबों व ब्रिटिश शासन के हस्तक्षेप के कारण यह पराक्रमी कबीला धीरे–धीरे राजनीतिक सत्ता के केंद्र से दूर होता चला गया।

5. कुशपाराः मात्र कृषक, बिना अधिकार'

सत्ता और साम्राज्य हाथ से निकल जाने के बाद, चावना जनजाति के इन वंशजों ने एक नया रास्ता चुना। गजेटियर के अनुसार, इस कबीले के लोग हिंडोर के पूर्व में स्थित मौजा कुशपारा (कुशफरा) नामक एक गाँव में आकर बस गए। ब्रिटिश काल के भू–राजस्व अभिलेखों के समय तक, कुशपारा गाँव में रहने वाले चावना कबीले के ये लोग मुख्य रूप से खेती–किसानी और कृषि कार्य में संलग्न थे।

गजेटियर में एक विशिष्ट टिप्पणी मिलती है कि वे इस भूमि पर बिना किसी स्थायी जमींदारी या मालिकाना हक के पारंपरिक कृषक के रूप में निवास कर रहे थे। भूमि पर कानूनी अधिकार न होने के बावजूद, अपनी ऐतिहासिक और पौराणिक विरासत के प्रति उनकी निष्ठा और पहचान अक्षुण्ण रही। वे आज भी अवध के इस अंचल में अपने गौरवशाली अतीत की जीती–जागती मिसाल हैं।

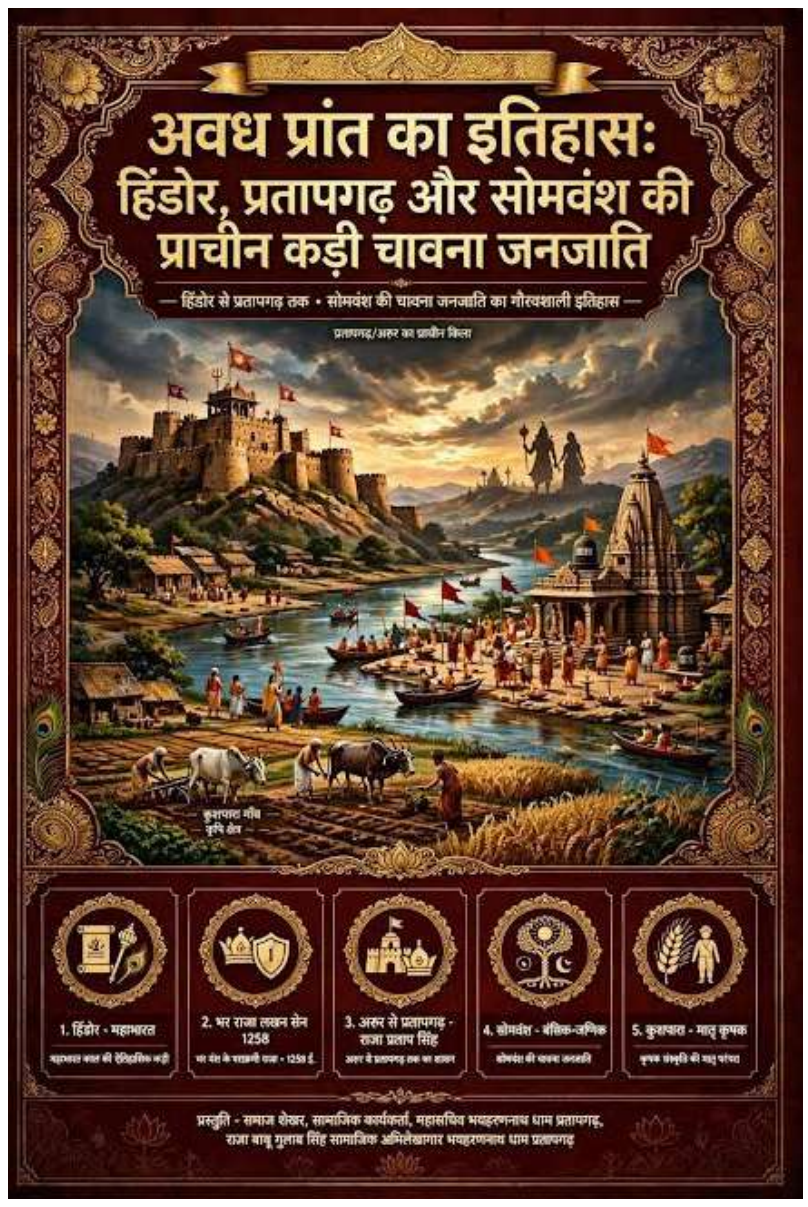
'निष्कर्ष'

इस प्रकार, अवध गजेटियर के पन्नों में सिमटा यह इतिहास हमें बताता है कि किस तरह एक स्थानीय गाँव, एक प्राचीन कस्बा और एक विशिष्ट जनजाति आपस में जुड़कर भारत के विशाल सांस्कृतिक और ऐतिहासिक ताने–बाने का निर्माण करते हैं।

भीम और हांडवी की पौराणिक कथा से शुरू होकर, भर राजाओं के किलों से गुजरते हुए, राजा प्रताप सिंह के प्रतापगढ़ निर्माण और अंत में कुशपारा गाँव के शांत कृषकों तक पहुँचने वाली यह गाथा इतिहास के कई विस्मृत अध्यायों को जीवंत कर देती है। यह न केवल सोमवंश की प्राचीन जड़ों को स्पष्ट करता है, बल्कि चावना जनजाति के उस ऐतिहासिक योगदान और उनकी पहचान को भी रेखांकित करता है जिसे मुख्यधारा के इतिहास में शायद वह स्थान नहीं मिल सका जिसके वे हकदार थे।

'प्रस्तुति – समाज शेखर, सामाजिक कार्यकर्ता, महासचिव भयहरणनाथ धाम प्रतापगढ़ द्वारा राजा बाबू गुलाब सिंह सामाजिक अभिलेखागार भयहरणनाथ धाम प्रतापगढ़

Samaj Shekhar
Social Activist
Bakulahi River
Punrodhar Abhiyan
Bhayharannath Dham]
Katra Gulab Singh]
Pratapgarh] U-P-
Ph – 05322542121, डठ
8400702124





दीपों का पर्व और अंतस का उजासः धनतेरस से दीपावली तक का संदेश

भारतीय संस्कृति में पर्व केवल तिथियों का फेर नहीं, बल्कि मनुष्य की सोई हुई चेतना को जाग्रत करने और सामाजिक दायित्वों के बोध के महान अवसर होते हैं। कार्तिक मास की यह पावन बेला जब शरद की ठंडी हवाओं के बीच अमावस्या के अगाध तम को चीरकर प्रकाश के महाकुंभ में बदलती है, तो संपूर्ण प्रकृति एक अलौकिक उल्लास से भर उठती है। दीपावली का यह महापर्व अपने आप में एक संपूर्ण और विराट उत्सव–शृंखला है, जो धनतेरस के प्रथम सोपान से आरंभ होकर रूप चतुर्दशी (चौदस) से गुजरता हुआ दीपावली के केंद्रीय बिन्दु पर अपनी पूर्ण दीप्ति बिखेरता है। इस त्रिदिवसीय महापर्व का हर एक दिवस मनुष्य के भौतिक, मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक उत्थान का एक पवित्र अनुष्ठान है।

इस क्रम का प्रथम चरण यानी धनतेरस केवल भौतिक समृद्धि, धातु या आभूषणों के क्रय का पर्व भर नहीं है। यह आरोग्य, आयु और प्राणशक्ति के अधिष्ठाता भगवान धन्वंतरि के अवतरण का दिन है। श्धनश का अर्थ यहाँ केवल स्वर्ण या रजत के संचय तक सीमित नहीं है, बल्कि श्पहला सुख निरोगी कायाश के शाश्वत सूत्र के अनुसार उत्तम स्वास्थ्य, सकारात्मक प्राण–ऊर्जा और सद्बुद्धि ही सबसे बड़ा धन है। इस दिन हम अपने घरों में बर्तन और वस्तुएं खरीदकर यह कामना करते हैं कि हमारे जीवन में स्थायित्व और आरोग्यता का वास हो।

इसके अगले क्रम में आने वाली रूप चतुर्दशी (चौदस) या नरक चतुर्दशी सौंदर्य, स्वच्छता और आंतरिक तथा बाह्य शुचिता का संदेश देती है। नरक चतुर्दशी का यह पर्व इस बात का प्रबल प्रतीक है कि हमारे जीवन से तमाम दुर्गुणों, ईर्ष्या, द्वेष और नकारात्मकता का अंधकार समाप्त हो और सदाचार का प्रकाश उदित हो। यह दिन हमें सिखाता है कि जिस प्रकार हम अपने घरों को बुहारकर स्वच्छ करते हैं, ठीक उसी प्रकार हमें अपने अंतःकरण के मैल को भी धोकर साफ करना होगा।

और तब आती है महामानव संस्कृति की महानिशाकृदीपावली। यह अज्ञान और अंधकार के असीम साम्राज्य पर ज्ञान, विवेक और न्याय की विजय का शाश्वत संदेश देने वाला महापर्व है। यह केवल मिट्टी या धातु के दीपकों को कतारबद्ध कर प्रज्वलित करने का या आतिशबाजी का उत्सव नहीं है, बल्कि यह अंतःकरण के गहरे मर्मस्थलों में विराजे अहंकार, स्वार्थ और नैराश्य के जाले को साफ कर आत्मदीपक जलाने की परम बेला है। त्रेता युग में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास के उपरांत अयोध्या लौटने की स्मृति में जलाए गए वे दीप केवल अयोध्या की गलियों को रोशन करने के लिए नहीं थे, बल्कि वे हर मनुष्य के भीतर के राम को जाग्रत करने के लिए थे।

किंतु, इस पाँच दिवसीय दीपोत्सव के वास्तविक मर्म को हमें केवल बाह्य अनुष्ठानों तक ही सीमित नहीं रखना होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम इन पाँच दिनों के उल्लास को अपने चरित्र और आचरण का हिस्सा बनाएं। दीपावली का असली पर्व तब तक अधूरा है जब तक हम अपने भीतर के सारे बैर–भाव, मनमुटाव, ईर्ष्या और छल–कपट की धूल को पूरी तरह से झाड़कर बाहर नहीं फेंक देते। हम अपने घरों के कोनों को तो दीपों से जगमगा लेते हैं, किंतु यदि मन के किसी कोने में द्वेष का कोई अंधकार शेष रह जाए, तो प्रकाश की सारी आराधना अधूरी रह जाती है।

अतएव, यह पाँच दिन का पर्व हमें यह अनूठा संदेश देता है कि हम केवल मिट्टी या धातु के दीये जलाने तक सीमित न रहें, बल्कि अपने हृदय के मर्मस्थल में प्रेम, करुणा और आत्मीयता के स्थायी दीप प्रज्वलित करें। जब अंतरंग के सारे छल–कपट और बैर–भाव मिट जाएंगे, तभी इन दीपों की असली ज्योति बाहर प्रकट होगी।

इसी के साथ, यह विचारणीय प्रश्न भी अत्यंत गहराई से हमारे सामने खड़ा है कि क्या हमारी दीपावली केवल हमारे अपने महलों, फ्लैटों और कोठियों को जगमगाने तक ही सीमित रहनी चाहिए? क्या उत्सव का यह उल्लास तब तक पूर्ण और पवित्र हो सकता है जब तक समाज के हाशिए पर, बस्तियों की तंग गलियों में और अंधेरी कोठरियों में बैठे उन अभागों के जीवन में घना अंधकार कायम है, जिनके द्वारों तक उम्मीद की एक किरण भी नहीं पहुँच पाई है?

दीपावली का वास्तविक और परम मर्म तभी सार्थक होता है जब हमारे खुशियों के दीप किसी बेसहारा, शोषित, वंचित और उपेक्षित के आशियाने में भी प्रकाश की अगवानी करें। जहाँ अभावों की अंतहीन अमावस और निराशा के काले बादल डेरा डाले हुए हैं, यदि हम वहाँ अपने स्नेह का एक भी दीया जलाने में सफल होते हैं, तो समझ लीजिए कि असली और पावन दीपावली वहीं रची जा रही है।

ओज और संवेदना के स्वरों में कहेंकृ
ष्धूप से वंचित यहाँ जो व्यथित जन बैठे हुए,
स्नेह के दो दीप उनके द्वार पर जलने दो आज!
तूम तिमिर को चीरकर जो दीप अपने घर जलाओ,
दीन के सूने भवन में भी नया आलोक छाओ!
स्वर्ग की सुख–संपदा को जो अकेले भोगते हैं,
वे मनुष्यता की चिता पर ही नया विश्वास बोते हैं।ष

आइए, इस दीपावली हम केवल अपने घरों की देहरी पर ही दीपमाला सजाने तक सीमित न रहें, बल्कि समाज के उस सूने और ठिठुरते कोने में भी उम्मीद का दीया जलाएं जो उपेक्षा के अंधकार में जीवन काटने को विवश है। जब मन का सारा छल–कपट मिटकर हृदय में प्रेम के दीप जलेंगे और समाज के हर एक उपेक्षित व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लौटेगी, तभी राष्ट्र की यह दीपावली अपने वास्तविक, पवित्र और परम अर्थ को प्राप्त करेगी।



डॉ संगीता मनीष बनाफर
प्रदेश अध्यक्ष
विश्व हिंदी परिषद
छत्तीसगढ़
बिलासपुर



शो के बाद कभी शक्ल नहीं देखना चाहता... प्रियंका चाहर पर फूटा गौतम गुलाटी का गुस्सा

> अभिनेता ने कहा कि वह रियलिटी शो के दौरान या उसके बाद, कभी भी प्रियंका का चेहरा नहीं देखना चाहते। यह बात रियलिटी शो के लेटेस्ट एपिसोड में तब सामने आई, जब टॉप 6 के पूरा होने के बाद सभी कंटेस्टेंट एक आखिरी जश्न के लिए इकट्ठा हुए थे।

राइज एंड फॉल सीजन 2 के कंटेस्टेंट गौतम गुलाटी ने अपनी साथी कंटेस्टेंट प्रियंका चाहर चौधरी के प्रति अपनी नाराजगी साफ तौर पर जाहिर कर दी है। अभिनेता ने कहा कि वह रियलिटी शो के दौरान या उसके बाद, कभी भी प्रियंका का चेहरा नहीं देखना चाहते। यह बात रियलिटी शो के लेटेस्ट एपिसोड में तब सामने आई, जब टॉप 6 के पूरा होने के बाद सभी कंटेस्टेंट एक आखिरी जश्न के लिए इकट्ठा हुए थे। गौतम ने प्रियंका और निहारिका तिवारी से अलग बैठना चुना और उनके साथ एक ही जगह पर रहने से साफ इनकार कर दिया। स्वरा भास्कर से बात करते हुए गौतम ने कहा, मैं उन लोगों के साथ नहीं बैठ सकता जिन्होंने मुझे इतना ट्रॉमा दिया है। मुझे जिंदगी में कभी इनका चेहरा नहीं देखना है और इस शो के बाद भी नहीं देखना है। गौतम और बाकी कंटेस्टेंट्स के बीच पहले से ही काफी तनाव चल रहा था, उसी दौरान उन्होंने यह बात कही। एपिसोड में इससे पहले, यह आपसी दुश्मनी आखिरी चौलेंज के दौरान भी देखने को मिली, जहां निहारिका और गौतम ने एक–दूसरे पर आरोप लगाए। राइज के आखिरी चौलेंज में निहारिका, प्रियंका और सोनम मलिक के बीच टॉप 6 में बची हुई दो जगहों के लिए मुकाबला हुआ। कंटेस्टेंट्स जब पेंटहाउस में अपनी जगह बनाने के लिए लड़ रहे थे, तब करण पटेल ने स्कोरकीपर की भूमिका निभाई। चौलेंज के दौरान, निहारिका ने कहा कि वे आगे बढ़ने के लिए चीटिंग का सहारा नहीं लेंगी, जिस पर गौतम ने उनके इस दावे पर सवाल उठाया। निहारिका ने पलटवार करते हुए कहा, तुम तो बिल्कुल मत बोलो, तुम यहां सबसे बड़े चीटर हो। गौतम ने इस बहस को फेक कंटेंट कहकर खारिज कर दिया। आखिरकार, निहारिका और प्रियंका ने टॉप 6 में बची हुई दो जगहें हासिल कर लीं, जबकि सोनम मलिक का सफर यहीं खत्म हो गया। अब शो के फिनाले में स्वरा, गौतम और करण पटेल रूलर्स के तौर पर अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। इनके साथ शहजाद पूनावाला भी शामिल हैं, जिन्होंने पहले ही फिनाले में अपनी जगह सुरक्षित कर ली थी। अब निहारिका और प्रियंका भी उनके साथ पेंटहाउस में शामिल हो गई हैं। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि राइज एंड फॉल के इस सीजन को वीरेंद्र सहवाग होस्ट कर रहे हैं।



हिना खान ने रॉकी साथ 15 मिनट में क्यों की थी शादी, एक्ट्रेस ने किया खुलासा

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस हिना खान और रॉकी जायसवाल की प्रेम कहानी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दोनों करीब 13 साल तक रिलेशनशिप में रहे और फिर 4 जून 2025 को शादी के बंधन में बंध गए। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस कपल ने अपनी शादी की रस्में महज 15 मिनट से भी कम समय में पूरी कर ली थीं? हाल ही में सानिया मिर्जा के पॉडकास्ट में हिना खान ने अपनी शादी से जुड़ा एक ऐसा खुलासा किया, जिसने सभी को हैरान कर दिया। एक्ट्रेस ने बताया कि कैंसर के इलाज के दौरान उन्होंने अचानक रॉकी से शादी करने का फैसला लिया था। आइए जानते हैं आखिर क्यों हिना ने इतनी जल्दबाजी में शादी की थी।

हिना खान ने रॉकी से 15 मिनट में क्यों की थी शादी?

सानिया मिर्जा के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान हिना खान ने बताया कि कैंसर के इलाज के समय उनकी जिंदगी काफी मुश्किल दौर से गुजर रही थी। उस वक्त उन्होंने रॉकी से साफ कह दिया था कि या तो वह किसी और से शादी कर लें या फिर उनसे ही शादी कर लें, क्योंकि उन्हें नहीं पता था कि आने वाला कल कैसा होगा। हिना ने बताया कि यह फैसला पहले से प्लान नहीं किया गया था, बल्कि परिस्थितियों को देखते हुए अचानक लिया गया था। उन्होंने कहा कि शादी की पूरी प्रक्रिया 15 मिनट से भी कम समय में पूरी हो गई थी। रॉकी भी इस फैसले के लिए तैयार थे और उन्होंने बिना देर किए हिना का साथ दिया।

शादी के बाद भी नहीं बदला हिना और रॉकी का रिश्ता

हिना ने बातचीत में यह भी बताया कि शादी के बाद उनके रिश्ते में कुछ खास नहीं बदला। उनके मुताबिक, शादी उनके प्यार और साथ को परिभाषित नहीं करती। दोनों पहले की तरह ही एक–दूसरे के साथ सहज और खुश हैं। एक्ट्रेस ने मजाकिया अंदाज में बताया कि उन्हें अपनी पहली शादी की सालगिरह तक याद नहीं रही थी। जब लोगों ने उन्हें बधाई देना शुरू किया, तब उन्हें इस खास दिन का एहसास हुआ। हिना के मुताबिक, वे और रॉकी तारीखों से ज्यादा साथ बिताए गए पलों को महत्व देते हैं।

कैंसर के मुश्किल दौर में रॉकी ने नहीं छोड़ा हिना का साथ

हिना खान ने पहले भी कई मौकों पर बताया है कि कैंसर के इलाज के दौरान रॉकी उनके लिए सबसे बड़ा सहारा बने रहे। उस मुश्किल समय में एक्ट्रेस ने रॉकी को किसी और से शादी करने की सलाह तक दे दी थी। उन्हें लगता था कि वह नहीं जानतीं कि आगे जिंदगी में क्या होने वाला है। लेकिन रॉकी ने उनका साथ छोड़ने के बजाय हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े रहने का फैसला किया। हिना के मुताबिक, उस कठिन दौर में रॉकी के प्यार और सहयोग ने उन्हें हिम्मत दी।

ये रिश्ता क्या कहलाता है के सेट पर शुरू हुई थी लव स्टोरी

हिना खान और रॉकी जायसवाल की मुलाकात टीवी शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के सेट पर हुई थी। उस समय हिना शो में अक्षरा का किरदार निभा रही थीं, जबकि रॉकी शो की प्रोडक्शन टीम से जुड़े हुए थे। धीरे–धीरे दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई। करीब 13 साल तक एक–दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने 4 जून 2025 को शादी कर ली। हिना और रॉकी ने स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत शादी की थी। अपनी शादी को लेकर उठे सवालों पर भी हिना ने साफ कहा था कि उन्हें लोगों की बातों से फर्क नहीं पड़ता। उनके लिए सबसे ज्यादा मायने उनका रिश्ता और एक–दूसरे के प्रति प्यार है।



'रामायण' में रावण बनकर छाए यश, अभिनय के साथ प्रोड्यूसर के तौर पर भी दिखा दमदार विजन



सुपरस्टार बनने के बाद अपनी पहचान से बाहर निकलकर कुछ नया करने का जोखिम कम ही कलाकार उठाते हैं। यश ने हालांकि अपने करियर में बार–बार इस सोच को चुनौती दी है। 'ज्ञळथ' फ्रेंचाइजी से देशभर में लोकप्रियता हासिल करने वाले अभिनेता अब फिल्म 'रामायण' में रावण के किरदार के जरिए एक बिल्कुल अलग अंदाज में दर्शकों के सामने हैं। खास बात यह है कि इस बार उनकी भूमिका केवल अभिनय तक सीमित नहीं है, बल्कि बतौर को–प्रोड्यूसर भी वह इस बड़े सिनेमाई प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं। ऐसे में यश का यह नया सफर उनके स्टारडम के साथ उनकी रचनात्मक महत्वाकांक्षा को भी दर्शाता है। रॉकी भाई के किरदार ने यश को पैन इंडिया स्तर पर एक खास पहचान दिलाई। इस भूमिका की लोकप्रियता इतनी ज्यादा रही कि उनके अगले प्रोजेक्ट से दर्शकों की उम्मीदें भी काफी बढ़ गईं। ऐसे में 'रामायण' में रावण की भूमिका चुनना उनके लिए आसान फैसला नहीं रहा होगा। रॉकी भाई की आक्रामक और लोकप्रिय छवि से निकलकर पौराणिक कथाओं के एक जटिल चरित्र को निभाना अपने आप में बड़ी चुनौती है। यश ने इस चुनौती को स्वीकार कर यह साफ कर दिया है कि वह एक ही तरह के किरदारों तक खुद को सीमित नहीं रखना चाहते। फिल्म में रावण के रूप में यश का अंदाज काफी प्रभावशाली नजर आता है। उनकी कद–काठी, चेहरे के भाव और किरदार के अनुरूप बॉडी लैंग्वेज रावण की विशाल छवि को पर्दे पर स्थापित करने में मदद करती है। रावण का व्यक्तित्व केवल उसकी ताकत और युद्ध कौशल तक सीमित नहीं था। वह विद्वान होने के साथ महान तपस्वी, कुशल शासक और महत्वाकांक्षी योद्धा भी था। वहीं उसका अहंकार और सत्ता के प्रति मोह उसके चरित्र को और पेचीदा बनाते हैं। ऐसे किरदार को निभाने के लिए सिर्फ भव्य लुक अपनाना काफी नहीं, बल्कि उसके अलग–अलग स्वभाव को समझना भी जरूरी है। यश के अभिनय में रावण के व्यक्तित्व के कई रंग देखने को मिलते हैं। कहीं वह तपस्वी और गंभीर नजर आते हैं, तो कहीं अपनी शक्ति और साम्राज्य पर गर्व करने वाले लंकापति के रूप में प्रभाव छोड़ते हैं। फिल्म में दस सिरों वाले रावण का दृश्य भी खास है, जो इस पात्र की भव्यता और उसके व्यक्तित्व की जटिलता को सामने लाता है। जटायू के साथ टकराव, इंद्र से जुड़ा प्रसंग और कुबेर के साथ संघर्ष जैसे दृश्यों में भी यश अपनी मजबूत स्क्रीन प्रेजेंस से ध्यान खींचते हैं। इन सीन्स में उनका अंदाज रावण को सिर्फ एक खलनायक के बजाय एक प्रभावशाली और विशाल व्यक्तित्व वाले किरदार के रूप में पेश करता है। यश की 'रामायण' से जुड़ाव की एक और खास बात उनका बतौर को–प्रोड्यूसर इस प्रोजेक्ट में शामिल होना है। नमित मल्होत्रा के साथ उनकी साझेदारी दिखाती है कि वह अब सिर्फ कैमरे के सामने अपनी मौजूदगी दर्ज कराने तक सीमित नहीं हैं। वह फिल्म निर्माण की प्रक्रिया और भारतीय कहानियों को बड़े स्तर पर पेश करने की दिशा में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। यश का यह कदम उनके लंबे समय के सिनेमाई नजरिए की ओर इशारा करता है। वह ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहते हैं, जिनकी कहानी और प्रस्तुति देश की सीमाओं से आगे तक पहुंचे। भारतीय पौराणिक कथाओं और सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दर्शकों के सामने लाने की कोशिश इसी सोच का हिस्सा मानी जा सकती है। इस लिहाज से 'रामायण' यश के लिए सिर्फ एक बड़ी फिल्म नहीं, बल्कि अभिनेता और निर्माता दोनों रूपों में अपनी क्षमता दिखाने का अहम मौका भी है।



सलमान खान की आवाज ने 'तेरी सेक्सी ब्यूटी' में डाला खास रंग, साजिद खान ने बताया मजेदार किस्सा

सलमान खान एक बार फिर अपने फैंस के लिए खास सरप्राइज लेकर आए हैं। हाल ही में रिलीज हुए गाने 'तेरी सेक्सी ब्यूटी' में सुपरस्टार ने अपनी आवाज दी है। इस ट्रैक में सलमान के साथ चित्रांगदा सिंह नजर आ रही हैं। दोनों की फ्रेश केमिस्ट्री, चित्रांगदा का ग्लैमरस अंदाज और सलमान की दमदार आवाज गाने को खास बना रही है। सलमान खान जब भी कुछ नया करते हैं, तो फैंस के बीच चर्चा शुरू हो जाती है। इस बार उन्होंने सिंगिंग के जरिए लोगों का ध्यान खींचा है। दिलचस्प बात यह है कि इस प्रमोशनल ट्रैक को तैयार करने की कहानी भी काफी मजेदार है। म्यूजिक कंपोजर साजिद अली खान ने बताया कि यह गाना आखिरी समय में तैयार हुआ और सलमान खान ने अचानक इसे रिकॉर्ड करने का फैसला किया। साजिद अली खान ने सलमान के साथ स्टूडियो में हुई रिकॉर्डिंग का अनुभव साझा करते हुए बताया, "एक हफ्ते पहले सलमान भाई ने मुझे फोन करके कहा कि चलो, इसे रिकॉर्ड करते हैं। मेरी बस एक शर्त थी। मैंने उनसे कहा, 'जब आप सुबह उठें, तो कुछ भी खाना–पीना मत। मुझे फोन करना, मैं जल्दी से स्टूडियो आ जाऊंगा और हम वहीं इसे रिकॉर्ड कर लेंगे।' मुझे उनकी आवाज में जैज सिंगर्स जैसी भारी और थोड़ी खुरदरी आवाज चाहिए थी। स्टूडियो में हमने कुछ जैज गाने सुने, जिसके बाद वह भी उसी मूड में आ गए। उन्हें इसे रिकॉर्ड करने में ज्यादा समय नहीं लगा, क्योंकि उन्हें यह गाना पहले से ही याद था।" साजिद के मुताबिक, सलमान खान का यह अचानक आया फोन एक यादगार म्यूजिकल अनुभव में बदल गया। शुरुआत में सलमान चाहते थे कि फिल्म के गंभीर और इंटेंस माहौल को ध्यान में रखते हुए गाने के बोल में कुछ बदलाव किए जाएं। हालांकि, बाद में उन्होंने अपनी सहज प्रतिक्रिया पर भरोसा करते हुए इसे रिकॉर्ड करने का फैसला किया। साजिद की सलाह मानकर सलमान सुबह स्टूडियो पहुंचे और अपनी आवाज के प्राकृतिक भारीपन को बनाए रखते हुए गाने को रिकॉर्ड किया।'तेरी सेक्सी ब्यूटी' को साजिद खान ने कंपोज करने के साथ इसके बोल भी लिखे हैं। वहीं, गाने की कोरियोग्राफी सीजर गोंजाल्विस ने की है। सलमान की आवाज, आकर्षक बीट्स और शानदार विजुअल प्रेजेंटेशन के साथ यह ट्रैक फिल्म में ग्लैमर और मनोरंजन का नया रंग जोड़ता नजर आ रहा है। यह गाना अब सभी प्रमुख म्यूजिक प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो चुका है। सलमान खान का सिंगिंग अंदाज और चित्रांगदा सिंह के साथ उनकी नई जोड़ी दर्शकों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।



सुबह नाश्ते में बनाएं सूजी-बेसन का हेल्दी डोसा, 5 मिनट में बनेगा क्रिस्पी डोसा

आमतौर पर हर एक गृहणी परेशान रहती है कि आज घर में क्या बनाएं। नाश्ते से लेकर रात के डिनर तक यही सवाल बना रहता है कि क्या बनाएं। अगर आप भी नाश्ते के लिए कुछ हटके तलाश कर रहे हैं। तो आप नाश्ते में डोसा बना सकते हैं, अब आपके जहन में यहीं सवाल आ रहा होगा कि इसमें नया क्या है? आप ने ट्रेडिशनल डोसा उड़द की दाल और चावल वाला जरुर खाया होगा। लेकिन आप सूजी–बेसन का बना डोसा नहीं खाया होगा। इसे आप चाटनी के साथ खा सकते हैं। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

सामग्री

–1 कप – सूजी
–1/4 कप – बेसन
–1/2 कप – दही
–1 कप – पानी
–1/2 छोटा चम्मच – नमक
–1/4 छोटा चम्मच – बेकिंग सोडा
–1/2 चम्मच – नींबू का रस
– 1 चम्मच – तेल

स्टफिंग के लिए

1 बड़ा चम्मच – तेल
1/2 छोटा चम्मच – जीरा
1 हरी मिर्च
5–6 करी पत्ते
1 बड़ा प्याज
1 छोटा टमाटर
1 छोटी गाजर
50 ग्राम – पनीर
1/2 छोटा चम्मच – चाट मसाला
1/4 छोटा चम्मच – ग्राम मसाला
1/2 छोटा चम्मच – काली मिर्च पाउडर
नमक स्वाद अनुसार
1 बड़ा चम्मच – धनिया पत्ती

क्रिस्पी डोसा बनाएं

– सबसे पहले आप एक कटोरे में सूजी के साथ 1/2 कप दही मिला लें। इसके बाद 1/4 कप बेसन डाल दें, एक कप गेंहू का आटा। फिर इसनें पानी डालकर गढा मिक्सर बना लें। 5 से 10 मिनट तक बैटर से रेस्ट के लिए रख दें।

– अब स्टाफिंग के लिए एक पैन लें उसमें जीरा और हरी मिर्च डालें और फिर प्याज को डालें। करी पत्ता डालने के बाद कद्दूकस की गई गाजर डालें फिर टमाटर डालें। अब चाट मसाला, गरम मसाला, नमक और लाल मिर्च पीसी हुई डाल दें। आप इस मिश्रण में थोड़ा पनीर भी डाल सकते हैं। अब आपकी स्टाफिंग तैयार है।

– इसके बाद रखा हुआ बैटर में नमक डालें और फिर उसमें पानी मिला दें। आखिर में बैकिंग सोड़ा डाले।

– इसके बाद आप एक डोसा तवा पर तेल डालकर। आंच को कम कर लें फिर तवा पर पानी के डालें फिर उसे क्लीन कर लें कपड़े से फिर आप बैटर को डाले। डोसा की तरह बनाएं और यह आपका डोसा तैयार है। नीचे दी गई वीडियों को जरुर देखें।

सूंघने में समस्या ? इसे नजरअंदाज न करें, गंभीर बीमारियां का हो सकता है संकेत!



क्या आपने कभी महसूस किया है कि आपकी सूंघने की क्षमता में कमी आई है? एक नए अध्ययन से पता चला है कि यह केवल एक साधारण समस्या नहीं है, बल्कि यह 139 गंभीर स्वास्थ्य स्थितियों का संकेत हो सकता है। जैसे–जैसे हम बड़े होते हैं, हमारी नाक और सूंघने की क्षमता कई प्रकार की बीमारियों से जुड़ी हो सकती है, जिनमें अल्जाइमर और पार्किंसंस रोग जैसी गंभीर स्थितियां शामिल हैं। इसलिए, अगर आप महसूस कर रहे हैं कि आपकी सूंघने की क्षमता घट रही है, तो इसे हल्के में न लें। इस लेख में हम जानेंगे कि सूंघने की क्षमता में कमी के पीछे क्या कारण हो सकते हैं, और किस प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं इससे जुड़ी हो सकती हैं। साथ ही, हम देखेंगे कि आप अपनी नाक और संवेदी क्षमता को कैसे सुरक्षित रख सकते हैं। चलिए, शुरू करते हैं!

क्या कहती है रिसर्च

फ्रंटियर्स इन मॉलिक्यूलर न्यूरोसाइंस में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार, सूंघने की क्षमता में कमी अल्जाइमर, पार्किंसंस रोग, मल्टीपल स्केलेरोसिस, हृदय रोग, कोविड–19 और अन्य 139 से अधिक गंभीर बीमारियों का संकेत हो सकती है। यदि आप किसी चीज की सुगंध कम महसूस कर रहे हैं, तो यह एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है।

सूंघने की क्षमता और स्वास्थ्य

अध्ययन में यह पाया गया है कि कई बीमारियों के साथ सूंघने की क्षमता का सीधा संबंध है। उदाहरण के लिए, पार्किंसंस रोग वाले व्यक्तियों में सूंघने की क्षमता में कमी देखी जाती है। इसी तरह, अल्जाइमर रोग से ग्रसित व्यक्तियों को ध्यान केंद्रित करने में समस्याएं हो सकती हैं, जिसमें नाक की संवेदी क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।

गंध और सूजन का संबंध

अध्ययन में गंध और सूजन के बीच के संबंध का भी उल्लेख किया गया है। शोधकर्ताओं ने 139 चिकित्सा स्थितियों में सूजन की मौजूदगी देखी है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर माइकल लियोन ने कहा कि सूंघने की क्षमता को बढ़ाकर वयस्कों की याददाश्त में 226 प्रतिशत तक सुधार किया जा सकता है।

प्रमुख बीमारियां

सूंघने की क्षमता में कमी से संबंधित कुछ प्रमुख बीमारियां निम्नलिखित हैं

एलर्जी
साइनसाइटिस
अस्थमा
नाक का कैंसर
डायबिटीज
नाक से जुड़ी समस्याओं के कारण

सूंघने की क्षमता में कमी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह गंभीर बीमारियों का संकेत हो सकता है। यदि आप सूंघने की क्षमता में कमी का अनुभव कर रहे हैं, तो तुरंत चिकित्सा सलाह लें। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए, क्योंकि यह आपकी भलाई से जुड़ा है।

खजूर एक सुपरफूड, रोजाना 2 खजूर से महिलाओं को मिलेंगे ये अनगिनत लाभ!



खजूर एक बेहद पोषक और स्वास्थ्यवर्धक फल है, जिसे हर उम्र के लोग पसंद करते हैं। हालांकि, यह विशेष रूप से महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद होता है। रोजाना खाली पेट 2 खजूर खाने से महिलाओं को कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। आइए, जानते हैं खजूर खाने के कुछ प्रमुख फायदे।

प्रजनन स्वास्थ्य में सुधार

खजूर प्रजनन प्रणाली के लिए बहुत लाभकारी होता है। यह न केवल प्रजनन क्षमता को बढ़ाता है, बल्कि ओव्यूलेशन, हार्मोन संतुलन और प्रसव में भी सहायता करता है। खजूर के पराग से प्रजनन क्षमता और हार्मोनल समस्याओं में मदद मिल सकती है, और यह नैचुरल प्रसव की संभावना को बढ़ाने में भी सहायक है।

गर्भावस्था के लिए पोषण

गर्भवती महिलाओं के लिए खजूर का सेवन अत्यधिक फायदेमंद होता है। इसमें फोलेट की उच्च मात्रा होती है, जो भ्रूण के विकास के लिए आवश्यक है। इसके अलावा, खजूर में ऐसे यौगिक होते हैं जो ऑक्सीटोसिन की नकल करते हैं, जो प्रसव के स्वस्थ संकुचन को सुविधाजनक बनाने में मदद कर सकते हैं।

हड्डियों के स्वास्थ्य में सुधार

खजूर में बोरॉन होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। महिलाओं की उम्र बढ़ने के साथ, हड्डियों का स्वास्थ्य बेहतर बनाए रखने के लिए नियमित रूप से खजूर का सेवन फायदेमंद हो सकता है।

बालों की सेहत

खजूर में आयरन की भरपूर मात्रा होती है, जो स्कैल्प में रक्त के प्रवाह को बढ़ावा देती है और बालों के विकास में सहायता करती है। इसके अलावा, खजूर विटामिन बी5 का भी अच्छा स्रोत है, जो बालों के रोम को मजबूत बनाने में मदद करता है।

त्वचा की सेहत

खजूर में विटामिन सी और डी की भरपूर मात्रा होती है, जो कोलेजन के विकास को बढ़ावा देती है और त्वचा को कोमल बनाती है। नियमित रूप से खजूर खाने से त्वचा की चमक भी बढ़ती है।

मानसिक स्वास्थ्य

खजूर में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो मस्तिष्क के कार्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। इसका कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स रक्त शर्करा के बढ़ने की संभावना को कम करता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

पीएमएस में राहत

खजूर में मैग्नीशियम का उच्च स्तर होता है, जो पीएमएस (प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम) के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है। इसके बीजों और पत्तियों से निकलने वाले अर्क हानिकारक बैक्टीरिया का प्रतिरोध करने में भी सहायक होते हैं। खजूर एक सुपरफूड है, जो महिलाओं के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होता है। रोजाना खाली पेट 2 खजूर खाने से न केवल स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि यह विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से भी राहत देता है। इसे अपने दैनिक आहार में शामिल करना न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि आपके स्वास्थ्य के लिए भी अत्यधिक लाभकारी है।

बेस्ट लुक के लिए जरूर ट्राई करें ये को-ऑर्ड सेट, आप पर टिक जाएगी हर नजर



हम सभी स्टाइलिश दिखना चाहते हैं, जिसके लिए आए दिन फैशन ट्रेंड को फॉलो करते हैं। अक्सर हम सलवार सूट और साड़ी पहनकर बोर हो जाते हैं। ऐसे में हम कुछ अलग ट्राई करना चाहते हैं। ऐसे में हम को–ऑर्ड सेट के बारे में बताने जा रहे हैं। इस फेस्टिव सीजन आप इंडो–वेस्टर्न लुक वाले को–ऑर्ड सेट पहन सकती हैं। ऐसे में हम आपके लिए को–ऑर्ड सेट के कुछ डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसको पहनकर आपका लुक बेहद आकर्षक नजर आएगा। साथ ही इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इसे कैरी करने के कुछ आसान टिप्स के बारे में भी बताने जा रहे हैं। बॉडी को परफेक्ट शेप देने के लिए आप पेप्लम कुर्ती स्टाइल को–ऑर्ड सेट स्टाइल कर सकती हैं। यह आपके लुक में जान डालने का काम करेगा। इस तरह की कुर्ती के साथ मैचिंग कलर की बेल बॉटम स्टाइल पैन्ट्स कैरी कर सकती हैं। यह लुक काफी एलिगेंट और स्टाइलिश नजर आएगा। आप चाहें, तो शोल्डर के लिए ऑफ या ट्यूब टॉप स्टाइल लुक चुन सकती हैं।

क्रॉप टॉप ब्लाउज स्टाइल को–ऑर्ड सेट

आजकल क्रॉप स्टाइल ब्लाउज में सिंगल शोल्डर डिजाइन को काफी पसंद किया जाता है। इसके साथ में आपको स्टाइलिश डिजाइन के शरारा या घरारा देखने को मिल जाएंगे। लेटेस्ट फैशन की बात करें, तो आप दो कलर कॉम्बिनेशन को मिक्स करके भी को–ऑर्ड सेट कैरी करवा सकती हैं। वहीं मार्केट में आपको यह 1,500 रुपए तक में आसानी से मिल जाएगा।

लेस डिजाइन को–ऑर्ड सेट

इस तरह लेस में आपको कई तरह की डिजाइन देखने को मिल जाएंगे। अगर फैंसी लुक की बात करें, तो इसमें गोटा–पट्टी वर्क लेस वाले को–ऑर्ड सेट को सबसे अधिक पसंद किया जाने लगा है। अगर आप इसमें सोबर और सिंपल लुक चाहती हैं, तो चिकनकारी डिजाइन की व्हाइट कलर की लेस बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। आप इसको पंजाबी जूती के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

संक्षिप्त



एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का शुद्ध लाभ दूसरी तिमाही में 489 करोड़ रुपये रहा

नयी दिल्ली। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2026–27 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 25.65 प्रतिशत बढ़कर 489.34 करोड़ रुपये रहा। कंपनी की ओर से शेयर बाजार को दी गई सूचना के अनुसार, प्रमुख घरेलू उपकरण एवं उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माताओं में शामिल एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया (एलजीईआई) लिमिटेड ने पिछले साल जुलाई–सितंबर में 389.43 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का परिचालन से राजस्व 19.53 प्रतिशत बढ़कर 7,380.04 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 6,174.03 करोड़ रुपये था। एलजीईआई ने अपने नतीजों के बयान में कहा, ''जिंसों की ऊंची कीमतों, रुपये में गिरावट और आगामी त्योहारी मौसम की मांग का लाभ उठाने के लिए बाजार तक पहुंच बनाने संबंधी निवेश के बावजूद लाभप्रदता बढ़ी है।'' कंपनी ने बताया कि उसकी कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) 28 प्रतिशत बढ़कर 701 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, मार्जिन 63 आधार अंक बढ़कर 9.5 प्रतिशत पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2026–27 की दूसरी तिमाही में कंपनी का कुल खर्च 18.88 प्रतिशत बढ़कर 6,810.93 करोड़ रुपये रहा। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के घरेलू उपकरण एवं एयर सॉल्यूशंस (एचएंडए) खंड का राजस्व समीक्षाधीन तिमाही में 20.86 प्रतिशत बढ़कर 4,771.69 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह 3,947.85 करोड़ रुपये था। एचएंडए कारोबार में एयर कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर, माइक्रोवेव ओवन, वाशिंग मशीन, डिशवॉशर, कंप्रेसर, वाटर प्यूरीफायर और एयर प्यूरीफायर शामिल हैं। कंपनी के होम एंटरटेनमेंट (एचई) खंड का राजस्व दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर 17.16 प्रतिशत बढ़कर 2,608.35 करोड़ रुपये हो गया। एचई खंड में टेलीविजन (फ्लैट पैनल, साइनेज, प्रोजेक्टर और मॉनिटर टीवी), ऑडियो–विजुअल उत्पाद, मॉनिटर और पर्सनल कंप्यूटर शामिल हैं। अन्य आय को शामिल करने पर एलजीईआई की कुल आय समीक्षाधीन तिमाही में 19.37 प्रतिशत बढ़कर 7,465.60 करोड़ रुपये रही। वित्त वर्ष 2026–27 की पहली छमाही (अप्रैल–सितंबर) में एलजीईआई की कुल एकीकृत आय 17.4 प्रतिशत बढ़कर 14,782.66 करोड़ रुपये रही। कंपनी के प्रबंध निदेशक होंग जू जियोन ने कहा, ''यह प्रदर्शन भारत के टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु उद्योग की व्यापक मजबूती को दर्शाता है। एलजीईआई एक सूचीबद्ध कंपनी के रूप में अपना पहला साल पूरा कर रही है। यह प्रदर्शन हमारे शेयरधारकों के हम पर जताए गए भरोसे और उनके लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।''

गुयाना को सड़क और स्वास्थ्य परियोजनाओं के लिए 50 करोड़ डश्वलर देगा भारत

सेंट जोन्स। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एंटीगुआ एवं बारबुडा में गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली से मुलाकात के दौरान गुयाना में सड़क, स्वास्थ्य और रक्षा परियोजनाओं के लिए 50 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा बढ़ाने की घोषणा की। जयशंकर मंगलवार को सेंट जोन्स पहुंचे थे। उन्होंने बुधवार को राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक से इतर राष्ट्रपति अली से मुलाकात की। जयशंकर ने बुधवार को सोशल मीडिया पर लिखा, ''गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली से मिलकर खुशी हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2024 की यात्रा के बाद हमारे द्विपक्षीय सहयोग में हुई निरंतर प्रगति की समीक्षा की।'' जयशंकर ने कहा, ''सड़क, स्वास्थ्य और रक्षा परियोजनाओं के लिए 50 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा बढ़ाने की घोषणा की।'' दोनों देशों ने सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) की विनिर्माण परियोजनाओं की आपूर्ति और स्थापना से जुड़े समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए। जयशंकर ने कहा, ''एमएसई की विनिर्माण परियोजनाओं की आपूर्ति एवं स्थापना, त्वरित प्रभाव वाली परियोजनाओं (क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स) के क्रियान्वयन के लिए अनुदान सहायता तथा डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और गुयाना में यूपीआई जैसी प्रणाली के संचालन में सहयोग से जुड़े समझौतों पर हस्ताक्षर किए।'' इससे पहले जयशंकर ने राष्ट्रमंडल के शासनाध्यक्षों और कारोबारियों की नाश्ते पर आयोजित बैठक में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रमंडल के साझेदार देशों से जोखिम कम करने और विविधता लाने का आग्रह किया।

गोवा में खनिज उत्पादन क्षमता 4.5 करोड़ टन संभव, सालाना 4000 करोड़ राजस्व की उम्मीद

पणजी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य नई खानों और पहले से मौजूद अयस्क डंप के प्रबंधन के जरिये अपनी सालाना खनिज उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 4.5 करोड़ टन कर सकता है, जिससे हर साल लगभग 4,000 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो सकता है। सावंत ने गोवा में आयोजित खनन एवं कोयला क्षेत्र में सुधारों पर खान मंत्रियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य ने अब तक 17 खनिज ब्लॉक की नीलामी की है, जिनमें से 16 को चालू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सालाना उत्पादन लगभग 1.91 करोड़ टन तक पहुंच गया है, जबकि उच्चतम न्यायालय ने सालाना अधिकतम सीमा दो करोड़ टन तय की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) गोवा अगले साल एक और खनिज ब्लॉक की नीलामी की तैयारी कर रहा है। इससे राज्य को अपनी स्वीकृत उत्पादन क्षमता तक पहुंचने में मदद मिलेगी, बशर्ते इसके लिए जरूरी कानूनी मंजूरियां मिल जाएं। उन्होंने कहा कि गोवा की अर्थव्यवस्था में खनन का बड़ा योगदान रहा है। इससे राजस्व मिलता है और रोजगार भी प्राप्त होता है। सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, सतीश चंद्र दुबे और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। सावंत ने बताया कि राज्य सरकार ने अपनी 'अयस्क डंप' नीति के तहत भी प्रगति की है। इसके अंतर्गत पुराने पट्टाधारकों को आठ डंप आवंटित किए गए हैं, जिनमें से दो को खान एवं भूविज्ञान निदेशालय से अंतिम अनुमति मिल चुकी है।

विराट कोहली मना रहे 38वां जन्मदिन, टीम इंडिया के इस दिग्गज के नाम दर्ज हैं 50 ODI शतक



भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली आज यानी की 05 नवंबर को अपना 38वां जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने क्रिकेट को सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि भावना, जुनून और एक नया रूप दिया। उन्होंने अपने क्रिकेट करियर में कई उपलब्धियां हासिल की हैं और उनकी गिनती दुनिया के दिग्गज बल्लेबाजों में होती है। तो आइए जानते हैं विराट कोहली के जन्मदिन के मौके पर उनके जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

दिल्ली में 05 नवंबर 1988 को विराट कोहली का जन्म हुआ था। वह दिल्ली के उत्तम नगर में पले–बढ़े और उन्होंने इसी शहर से महज 9 साल की उम्र से क्रिकेट खेलने की शुरूआत की थी। विराट ने पहली बार 9 साल की उम्र में पहली बार बल्ला थामा था और उन्होंने बचपन में क्रिकेट की बारीकियों को कोच राजकुमार शर्मा की देखरेख में सीखा था।

घरेलू क्रिकेट से की शुरूआत

साल 2002 में विराट कोहली ने घरेलू क्रिकेट में कदम रखा था। उन्होंने दिल्ली की अंडर–15 टीम की ओर से अपना पहला मैच खेला। इसके बाद साल 2003 में उनको टीम की कमान सौंप दी गई। अंडर–15 में बल्ले से धमाल मचाने के बाद विराट कोहली का विजय मर्चेंट ट्रॉफी के लिए सेलेक्शन हुआ। इस टूर्नामेंट में विराट कोहली अपने बल्ले और कप्तानी दोनों से छाप छोड़ने में सफल रहे। उन्होंने 7 मैचों में 757 रन बनाकर टीम को चौंपियन बनाया। कोहली के बल्ले से दो शतक निकले। फिर साल 2006 में विराट कोहनी ने लिस्ट–ए करियर की शुरुआत सर्विसेस के खिलाफ की थी। कोहली ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में दिल्ली की तरफ से खेलते हुए अपना पहला मैच तमिलनाडु के खिलाफ खेला था। इसी साल 2006 में कोहली के पिता प्रेम कोहली का निधन हो गया। लेकिन पिता के निधन के अगले दिन कर्नाटक के खिलाफ खेले गए मुकाबले कोहली बल्ला थामकर मैदान में उतरे, बल्कि उन्होंने 90 रन की शानदार पारी खेली। उनके असल करियर की शुरूआत यहीं से हुई थी। इसके बाद कोहली ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

अंडर–19 चौंपियन

साल 2008 में कोहली ने अपनी कप्तानी में भारतीय टीम को अंडर 19 चौंपियन बनाते हुए खूब सुर्खिया बटोरी। अंडर–19 में दमदार प्रदर्शन के चलते ही कोहली की प्स्र में एंट्री हुई और उन पर रॉयल चौंलेंजर्स बैंगलोर ने बड़ा दांव खेला।

इंटरनेशनल करियर की शुरूआत

साल 2008 में पहली बार कोहली ने इंटरनेशनल क्रिकेट की पिच पर कदम रखा था। वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उनका बल्ला कुछ खास कमाल नहीं कर सका। वह 4 रन बनाकर आउट हुए और फिर भारत के लिए विराट ने कई यादगार पारियां खेलीं। इसके बाद साल 2011 के वर्ल्ड कप की टीम में जगह मिली। साल 2011 के फाइनल में कोहली ने श्रीलंका के खिलाफ 35 रन की अहम पारी खेली थी।

उपलब्धियां

कोहली वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक जमाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने इस मामले में तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है और कोहली के नाम वनडे में 50 शतक दर्ज हैं।

विराट कोहली तौर कप्तान टेस्ट क्रिकेट में छह डबल सेंचुरी जमाने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं। कोहली ने इस मामले में ब्रायन लारा को पीछे छोड़ा था।

वह वनडे क्रिकेट में सबसे तेज 10 हजार रन पूरे करने पहले बल्लेबाज हैं। उन्होंने यह मुकाम 205वीं पारी में पाया था।

वह टी–20 क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज हैं।

इसके अलावा कोहली दो बॉक्सिंग–डे टेस्ट मैच जीतने वाले इकलौते भारतीय कप्तान हैं।

विराट कोहली दो बार गारफील्ड सोबर्स अवॉर्ड पाने वाले क्रिकेटर हैं।

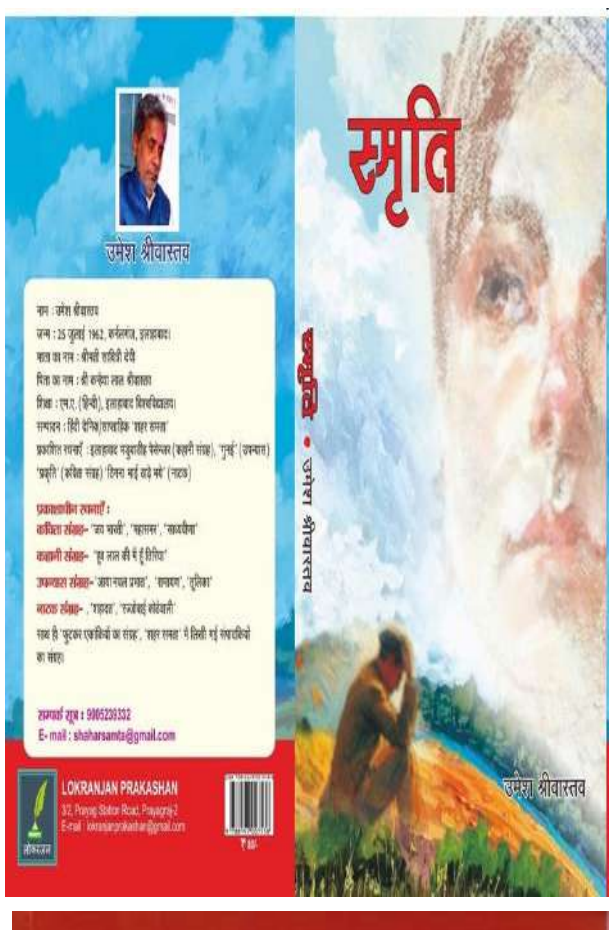
इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक मारने के मामले में कोहली दूसरे नंबर पर हैं। अब तक वह 80 शतक लगा चुके हैं।

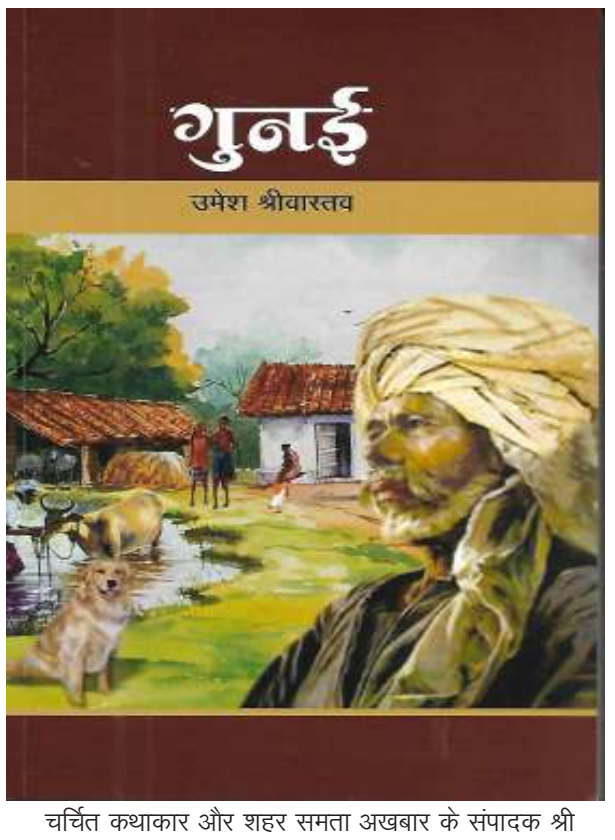
BCCI ने घोषित किया WPL 2027 शेड्यूल, मुंबई के CCI मैदान पर होगा फाइनल मुकाबला

महिला प्रीमियर लीग ने 2027 सीज़न के लिए अपना शेड्यूल घोषित कर दिया है। 14 जनवरी को वडोदरा में होने वाले पहले मैच में मौजूदा चौंपियन रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु का सामना मुंबई इंडियंस से होगा। फाइनल मुकाबला 7 फरवरी को मुंबई के ब्ब्ब् ग्राउंड में खेला जाएगा। दिल्ली कैपिटल्स, जो लगातार चार बार उपविजेता रही है, 16 जनवरी को त्ब्ठ के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। 15 जनवरी को न्च वॉरियर्स का मुकाबला गुजरात जायंट्स से होगा। इस बीच, 24 जनवरी तक के पहले चरण के सभी मैच वडोदरा में खेले जाएंगे, जिसके बाद 26 जनवरी से टूर्नामेंट का दूसरा चरण मुंबई में आयोजित होगा। 5 फरवरी को एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। पॉइंट्स टेबल में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें फाइनल में अपनी जगह बनाने के लिए भिड़ेंगी। वहीं, पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंच जाएगी। भारतीय

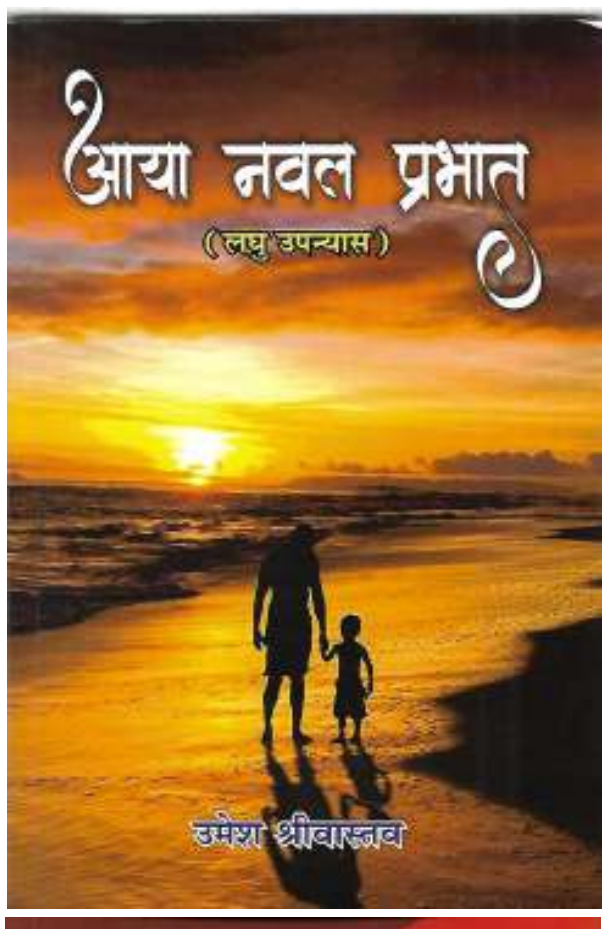


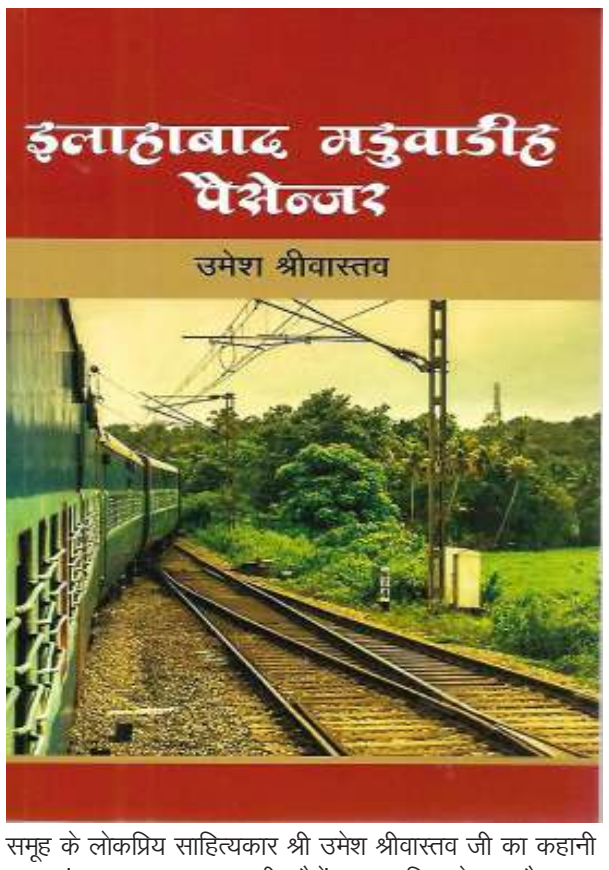
क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ठब्ब्) ने 4 नवंबर को पूरे शेड्यूल की घोषणा की। सभी पांच फ्रेंचाइजी खिताब के लिए मुकाबला करेंगी, और हर वेन्यू पर 11 मैच खेले जाएंगे।



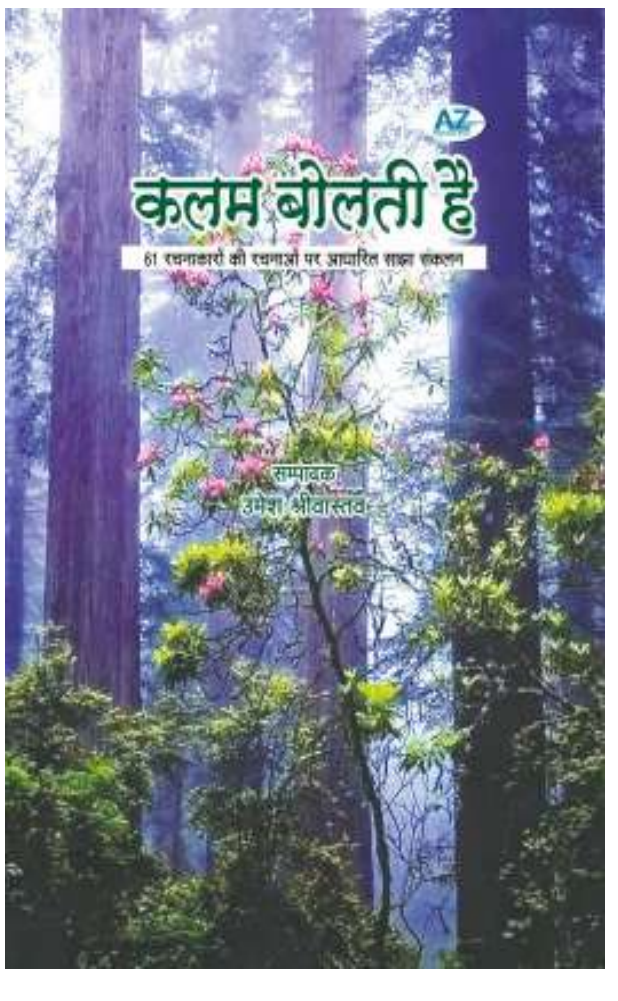


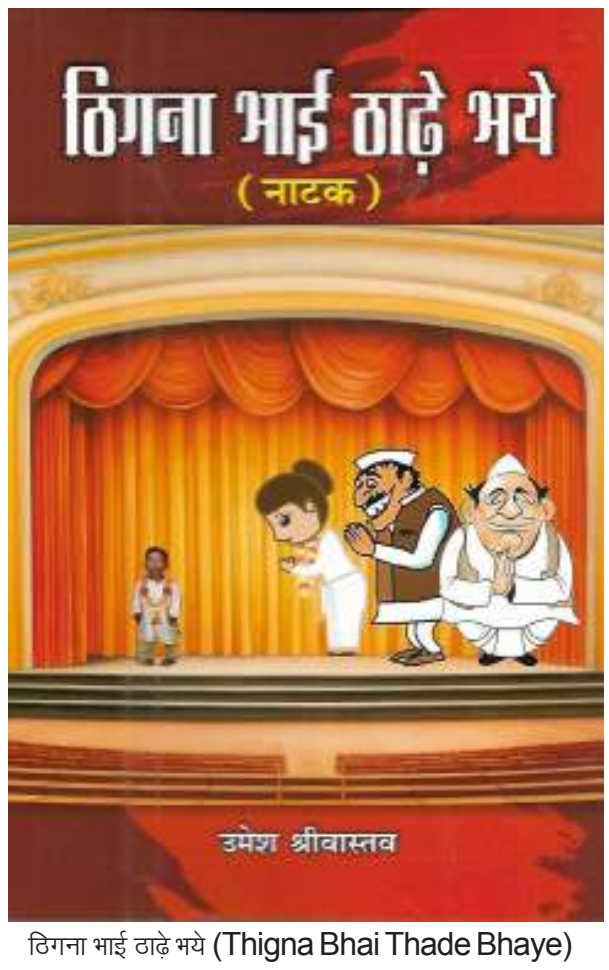
चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित





समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।





ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत जोशुआ वोंग को 10 साल की जेल, अदालत ने दी सजा

हांगकांग, पांच नवंबर (एपी) हांगकांग के प्रमुख कार्यकर्ता जोशुआ वोंग को बृहस्पतिवार को चीन द्वारा लागू राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दूसरी बार दोषी ठहराए जाने के मामले में 10 साल कैद की सजा सुनाई गई। इस मामले को आलोचक शहर के उस लोकतंत्र समर्थक आंदोलन पर की गई कार्रवाई के एक और उदाहरण के तौर पर देखते हैं, जो कभी बेहद सक्रिय था। वोंग पर 2025 में राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत की साजिश रचने के आरोप में इस कानून के तहत मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने सितंबर में इस अपराध को स्वीकार कर लिया था, आमतौर पर इससे सजा कम हो सकती है। वोंग (30) पहले से ही शहर के सबसे बड़े राष्ट्रीय सुरक्षा मामले में दोष स्वीकार करने के बाद चार साल और आठ महीने की जेल की सजा काट रहे हैं। यह मामला एक अनौपचारिक प्राइमरी चुनाव से जुड़ा था। विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत के आरोप में मुकदमा चलाए जाने से पहले वोंग के जनवरी 2027 में रिहा होने की उम्मीद थी। सजा पर सुनवाई के दौरान न्यायाधीश विलियम टैम ने कहा कि वोंग का अपराध गंभीर प्रकृति का था और उन्होंने इस दलील को खारिज कर दिया कि इस मामले में उनकी भूमिका सीमित थी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने शुरुआत में 13 साल की जेल की सजा देने का फैसला किया था लेकिन वोंग के दोष स्वीकार करने के कारण इसे कम कर दिया। अदालत से बाहर निकलने से पहले वोंग शांत नजर आए और उन्होंने अपने समर्थकों का शुक्रिया अदा किया। उनके समर्थकों ने उन्हें हाथ हिलाकर विदाई दी। न्यायाधीश ने कहा कि वोंग की दोनों जेल की सजाएं एक साथ चल सकती हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत पिछले मामले में सुनाई गई सजा पूरी होने में अब उन्हें केवल करीब दो महीने बाकी हैं। वोंग को दोषी ठहराए जाने को असहमति की आवाज दबाने के रूप में देखा जा रहा है। पर्यवेक्षकों का कहना है कि वोंग को सुनाई गई सजा से पता चलता है कि अधिकारी प्रमुख कार्यकर्ताओं को यथासंभव लंबे समय तक जेल में रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इससे नागरिक गतिविधियों पर और अधिक अंकुश लग सकता है।

जे डी वेंस ने अमेरिका में मध्यावधि चुनावों में हार के लिए ईरान युद्ध को ठहराया जिम्मेदार

वाशिंगटन। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को मिली भारी हार के बाद बुधवार को उपराष्ट्रपति जे डी वेंस सार्वजनिक रूप से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान युद्ध के फैसले का समर्थन करने से बचते दिखे और मतदाताओं की ओर से राष्ट्रपति को दिए गए स्पष्ट संदेश से खुद को अलग रखने की कोशिश की। वहीं, उपराष्ट्रपति के अपने राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। वेंस ने कहा था कि वह चुनाव के बाद तय करेंगे कि उन्हें 2028 में राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ना है या नहीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक लंबी पोस्ट लिखकर रिपब्लिकन पार्टी की करारी हार के लिए ईरान के साथ युद्ध को जिम्मेदार ठहराया। उपराष्ट्रपति ने अपने इस ऑनलाइन पोस्ट में चुनाव परिणाम से दूरी बनाने की कोशिश करते नजर आए, जिसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ एक जनमत संग्रह के रूप में देखा जा रहा और जिसमें पूरे देश में रिपब्लिकन पार्टी को करारी शिकस्त मिली है। वेंस ने लिखा, ''हमारी हार की वजह वह युद्ध है।'' उन्होंने कहा कि अगर लोग यह तर्क देना चाहते हैं कि अगले छह साल के लिए सीनेट पर अपना नियंत्रण खो देना सही है, तो बेशक ऐसा तर्क दें। उन्होंने कहा, ''आप सहमत हों या असहमत, कम से कम यह एक ईमानदार बात तो होगी।'' ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान बार–बार यह दलील दी थी कि युद्ध उचित था। चुनाव नतीजे आने के दौरान साक्षात्कारों में भी उन्होंने यही बात दोहराई और बुधवार सुबह भी अपने रुख पर कायम रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में बन रहे 'बॉलरूम' का पत्रकारों को अचानक दौरा कराते हुए ट्रंप ने कहा, ''ईरान के मामले में हमें ऐसा करना ही था और हम इसे जारी रखेंगे।'' वेंस की सोशल मीडिया पोस्ट के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने बताया कि बुधवार सुबह उनकी वेंस से बात हुई थी। उन्होंने इसे ''अच्छा'' बताया और कहा, ''मैं जानता हूं कि वह इस बारे में क्या सोचते हैं और मुझे लगता है कि यह (ईरान युद्ध का निर्णय) ठीक था।'' उन्होंने अपने फैसलों का बचाव करते हुए कहा कि उन्हें ''पता था कि इस युद्ध का असर'' मध्यावधि चुनावों पर पड़ेगा।

अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में भारतीय मूल के उम्मीदवारों का डंका, राज्यों की विधानसभाओं में दर्ज की बड़ी जीत

वाशिंगटन। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में भारतीय मूल के उम्मीदवारों ने न केवल अमेरिकी कांग्रेस (संसद) में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है, बल्कि विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव में भी उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। मिशिगन की प्रतिनिधि सभा में अल्पमत दल के नेता रणजीव पुरी (डेमोक्रेटिक पार्टी) ने शानदार जीत दर्ज की है और उन्हें सदन के अध्यक्ष पद का प्रमुख दावेदार माना जा रहा है। यदि वह इस पद पर चुने जाते हैं, तो वह मिशिगन की प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष बनने वाले भारतीय मूल के पहले अमेरिकी होंगे। एरिजोना की सीनेट में अल्पमत दल की नेता प्रिया सुंदरेशन सीनेट के निर्वाचन क्षेत्र संख्या 18 से फिर से निर्वाचित हुई हैं।

हारते ही भारत पर टूट पड़े ट्रंप, 9 कंपनियों को हिला डाला



अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप भी ट्रंप चुनाव के हारे इस कदर बौखला गए हैं। ना सिर्फ अपने दुश्मन देशों की कमर तोड़ने का काम कर रहे हैं बल्कि ताबड़तोड़ तरीके से एक्शन भी ले रहे हैं। इसी कड़ी में डोनाल्ड ट्रंप ने सीधे तौर पर भारत से पंगा लेने की कोशिश कर दी है। भारत के खिलाफ डोनाल्ड ट्रंप की सरकार टूट पड़ी है और खबर यह आ रही है कि डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने भारत की नौ कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। उसके साथ ही एक व्यापारी और उसकी पत्नी पर भी प्रतिबंध लगाया गया है और गंभीर आरोप ईरान से व्यापार करने को लेकर लगाए गए हैं। ट्रंप जैसे ही चुनाव हारे वैसे ना सिर्फ ईरान पर ताबड़तोड़ कारवाई शुरू की बल्कि भारत के खिलाफ भी शिकंजा कसना डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से शुरू कर दिया गया है। हालांकि भारत से पंगा लेना डोनाल्ड ट्रंप को और ज्यादा महंगा पड़ सकता है। डोनाल्ड ट्रंप जानते हैं कि जब–जब उन्होंने भारत की तरफ आंख उठाने की कोशिश की है। भारत को नीचा गिराने या भारत को ठुकराने की कोशिश की है। तब–तब डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका को ही भारी नुकसान उठाना पड़ा है और खुद घुटनों के बल डोनाल्ड ट्रंप भारत के आगे सामने रिश्तों को सही करने के लिए आए हैं। अब ऐसे में मिड टर्म चुनाव में करारी हार के बाद डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत पर एक्शन लिया गया। अमेरिकी वित्त विभाग ने एक भारतीय व्यवसायी, उनकी पत्नी और भारत में स्थित नौ व्यावसायिक कंपनियों पर सीधे प्रतिबंध लगा दिए हैं। इन सभी पर आरोप है कि इन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की अनदेखी करते हुए, ईरान को कच्चे तेल का अवैध निर्यात करने और समुद्री व्यापार जारी रखने में मदद की है। अमेरिकी प्रशासन ने इसे एक संगठित और बड़े समुद्री आपराधिक नेटवर्क का नाम दिया है। सुनील कुमार शर्मा और उनकी पत्नी पर इस नेटवर्क को चलाने का आरोप है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, भारतीय व्यवसायी सुनील कुमार शर्मा और उनकी पत्नी जसप्रीत प्रीति शाहिद को इस अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी नेटवर्क का मुख्य संचालक और मास्टरमाइंड बताया गया है। जांच एजेंसियों का आरोप है कि इस दंपति ने तेल टैंकरों और जहाजों के लिए समुद्री पंजीकरण (मैरीटाइम रजिस्ट्रेशन) और फर्जी श्फ्लैग रजिस्ट्रीश से जुड़े जाली दस्तावेज और प्रमाण पत्र तैयार किए थे। इसका मुख्य उद्देश्य यह था कि ईरानी तेल ले जाने वाले जहाज समुद्री नियमों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से बचते हुए, बिना किसी रुकावट के वैश्विक जलक्षेत्र में अपना काम जारी रख सकें। श्ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्टश के तहत कार्रवाई, जिसका मकसद ईरान की आर्थिक रीढ़ तोड़ना है। यह कड़ा कदम अमेरिकी सरकार के एक विशेष अभियान श्ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्टश के तहत उठाया गया है। अमेरिकी प्रशासन का स्पष्ट रणनीतिक उद्देश्य ईरान के पेट्रोलियम निर्यात और उससे जुड़ी वित्तीय गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाना है, ताकि तेहरान को तेल की बिक्री से होने वाली भारी कमाई से वंचित किया जा सके। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि जो भी वैश्विक नेटवर्क फर्जी पहचान और शेल कंपनियों के जरिए अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार नियमों का उल्लंघन करेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। भारत स्थित 9 कंपनियों पर प्रतिबंधों का उनके कारोबार पर सीधा असर पड़ा है। इन कंपनियों को अमेरिकी अधिकार क्षेत्र में किसी भी तरह के वित्तीय लेनदेन, संपत्ति को फ्रीज करने और किसी भी प्रकार के व्यावसायिक सौदे करने से पूरी तरह रोक दिया गया है। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण, इन कंपनियों और ऑपरेटरों के साथ लेनदेन करने वाले अंतरराष्ट्रीय बैंकों और समुद्री बीमा कंपनियों पर भी श्सेकेंडरी प्रतिबंधोंश का खतरा मंडरा रहा है। इस कड़े कदम ने अंतरराष्ट्रीय शिपिंग उद्योग और तेल व्यापार से जुड़े भारतीय कारोबारी जगत में खलबली मचा दी है।

ईरान युद्ध और तेल की कीमतों पर डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान

मध्यावधि चुनाव में हार स्वीकारी, कहा– जरूरत पड़ी तो फिर उठाऊंगा वही कदम



अमेरिकी राजनीति में ईरान के साथ संघर्ष और उसके आर्थिक परिणामों को लेकर गर्मागरम बहस जारी है। हाल ही में हुए मध्यावधि (मिडटर्म) चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को मिले झटके के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुलकर स्वीकार किया है कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान और उसके चलते ईंधन (पेट्रोल) की कीमतों में हुआ उछाल पार्टी की हार का एक बड़ा कारण बना। हालांकि, चुनावी नुकसान को स्वीकार करने के बावजूद ट्रंप ने अपने इस फैसले पर कोई पछतावा नहीं जताया है और साफ कर दिया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में वे आज भी वही कड़े फैसले लेने से पीछे नहीं हटेंगे। बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए, ट्रंप ने माना कि इस संघर्ष ने रिपब्लिकन पार्टी को चुनावी झटके देने में बड़ी भूमिका निभाई, खासकर इसलिए क्योंकि इसने कुछ समय के लिए पेट्रोल की कीमतों को बढ़ा दिया था। उनके ये बयान तब आए जब उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने पार्टी की हार के लिए ईरान के खिलाफ प्रशासन के सैन्य अभियान को जिम्मेदार ठहराया। वेंस के इस आकलन के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है कि यह काफी हद तक सच है, क्योंकि इसने कुछ समय के लिए पेट्रोल की कीमतों को थोड़ा बढ़ा दिया था। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति का मानना घ्है कि दीर्घकालिक सुरक्षा चिंताओं का महत्व, तात्कालिक आर्थिक और राजनीतिक परिणामों से कहीं अधिक था। युद्ध शुरू करने के अपने फैसले का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका, ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने की छूट नहीं दे सकता था। उन्होंने कहा, लेकिन साथ ही, अगर मुझे फिर से ऐसा करना पड़े, तो मैं फिर से वही करूंगा। क्योंकि लंबे समय के हिसाब से, यही एकमात्र समाधान है। आप ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने नहीं दे सकते।

ट्रंप का कहना है कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान जरूरी था

ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी का रिपब्लिकन पार्टी के चुनावी प्रदर्शन पर असर पड़ने की बात स्वीकार करने के बावजूद, ट्रंप ने इस संभावना को खारिज कर दिया कि वे इस सैन्य अभियान को किसी अलग तरीके से संभाल सकते थे। राष्ट्रपति ने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने ईरान की रक्षा क्षमताओं को भारी नुकसान पहुंचाया है और देश की प्रमुख सैन्य संपत्तियों को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। ट्रंप ने कहा, लेकिन मैं आपको बता सकता हूं कि जहां तक घ्छस युद्ध की बात है, तो मैं कुछ भी अलग नहीं करता। हमने उनकी सेना को पूरी तरह तोड़ दिया है। उनकी नौसेना खत्म हो गई है। उनकी वायु सेना खत्म हो गई है। उनके एंटी–एयरक्राफ्ट सिस्टम भी खत्म हो चुके हैं। ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) की मौजूदा स्थिति का भी बचाव किया। यह एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्ग है, जिससे दुनिया की तेल आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। उन्होंने दावा किया कि संघर्ष के शुरुआती चरण की तुलना में, अब इस जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) से काफी बड़ी मात्रा में तेल की खेप भेजी जा रही है। ट्रंप ने कहा, ष्ईरान के मामले में, हमें जो करना था, वह हमने किया और हम आगे भी ऐसा करते रहेंगे।

चुनाव में मिली करारी हार, ट्रंप–वेंस के रिश्तों में पड़ी दरार! रिपब्लिकन पार्टी में मच गया हाहाकार!

अमेरिका में 2026 के मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की करारी हार ने शीर्ष स्तर पर राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के बीच एक गहरी दरार को उजागर कर दिया है। अमेरिकी हाउस, सीनेट और कई राज्यों के गवर्नरों के कार्यालयों तथा विधानसभाओं में रिपब्लिकन पार्टी की चौंकाने वाली हार पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए, दोनों ही एक–दूसरे से दूरी बनाते दिखे। यहाँ तक कि वेंस ने उसी प्रशासन की नीतियों पर सवाल उठा दिए, जिसका वे खुद हिस्सा हैं। ट्रम्प और वेंस, दोनों ने ही नतीजों के पीछे ईरान युद्ध को एक कारण माना। हालाँकि, जहाँ उपराष्ट्रपति ने इस सैन्य हमले को शुरू करने के फैसले पर सवाल उठाए, वहीं राष्ट्रपति ने इस युद्ध का बचाव करते हुए कहा कि अगर मौका मिले तो वे इसे फिर से करेंगे। एक्स पर एक लंबी और गंभीर पोस्ट में जेडी वेंस ने रिपब्लिकन पार्टी के खराब प्रदर्शन के मुख्य कारणों पर चर्चा की। उन्होंने ईरान के खिलाफ युद्ध, बढ़ती महंगाई, अमेरिका फर्स्ट नीति का नदारद होना और इज़राइल के साथ अमेरिका के संबंधों को इसके लिए जिम्मेदार बताया। वेंस ने यह तो माना कि वे खुद उस प्रशासन का हिस्सा थे जो इन हालात के लिए जिम्मेदार है, लेकिन उन्होंने ईरान के खिलाफ युद्ध पर सवाल उठाए। यह एक तरह से सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार करना था कि विदेश में किया गया यह सैन्य हमला, देश के भीतर ही उल्टा पड़ गया। दूसरी ओर, ट्रम्प ने भी माना कि नतीजों में ईरान युद्ध की भूमिका रही है, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें इसका कोई पछतावा नहीं है और वे इसे फिर से करेंगे। खास बात यह है कि जब ट्रम्प से विशेष रूप से मिडटर्म नतीजों पर वेंस के विश्लेषण के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा, खैर, बस यही है। मुझे पता है कि वह इस बारे में क्या सोचते हैं। मुझे लगता है कि यह ठीक था, हाँ। मुझे लगा कि यह अच्छा था। हमें यह पता था। जब मैं मैदान में उतरा था, तभी मुझे यह मालूम था। और हमने उन्हें परमाणु हथियार हासिल करने से रोक दिया, और उनके पास कभी परमाणु हथियार नहीं होंगे। इसके बाद उन्होंने यह भी कहा कि ष्शायदष वेंस 2028 में राष्ट्रपति पद का चुनाव न लड़ें। ट्रम्प की ये टिप्पणियाँ उनके स्वभाव के अनुरूप ही थीं, लेकिन इनका महत्व इसलिए है क्योंकि ये ऐसे समय में आईं जब लोग वेंस की एक्स पोस्ट को 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए उनकी संभावित दावेदारी की शुरुआत के रूप में देख रहे थे। रिपब्लिकन पार्टी की हार पर वेंस का विश्लेषण एक ऐसी कोशिश के रूप में देखा जा सकता है, जिसमें उन्होंने पार्टी को नुकसान पहुँचाने वाले मुद्दों को तो स्वीकार किया, लेकिन उस प्रशासन से सीधे तौर पर किनारा नहीं किया जिसका वे हिस्सा हैं। ईरान युद्ध को लेकर उनकी आलोचना काफी अहम है, क्योंकि ट्रम्प ने बार–बार इस सैन्य अभियान का बचाव किया है और इसे तेहरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए जरूरी बताया है।



उप–राष्ट्रपति ने बढ़ती महंगाई और श्अमेरिका फर्स्टश (।उमतपबं थ्पतेज) के वादों को पूरा करने में प्रशासन की विफलता की ओर भी इशारा किया। ये मुद्दे मतदाताओं की मुख्य चिंताओं में शामिल रहे हैं, और चुनाव के नतीजे बताते हैं कि रिपब्लिकन पार्टी का संदेश मतदाताओं के एक बड़े हिस्से को समझाने में नाकाम रहा। इन कारकों की पहचान करके, वेंस ने शायद यह समझ लिया है कि पार्टी इस हार को केवल एक अस्थायी झटका मानकर नज़रअंदाज़ नहीं कर सकती।

ईरानः होर्मुज में समुद्री बारूदी सुरंग से टकराए दो टैंकर और एक टगबोट, लगी आग

तेहरान। ईरान ने गुरुवार को दावा किया कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे दो टैंकर्स और एक टगबोट में आग लग गई। उनके मुताबिक ये अनधिकृत रास्ते से निकलने की कोशिश कर रहे थे और इसी दौरान बारूदी सुरंग से टकरा गए जिससे आग लग गई। इसी बीच, ईरान की इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर यूनिट्स ने अमेरिका के दो लुकास ड्रोन को अपने कब्जे में लेने का दावा भी किया है। ईरान की अर्ध–सरकारी न्यूज एजेंसी फार्स ने इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के हवाले से ये जानकारी साझा की। आईआरजीसी के अनुसार, एक अनधिकृत रास्ते से गुजरने की कोशिश के दौरान होर्मुज स्ट्रेट में दो तेल टैंकरों और एक टगबोट में आग लग गई। आईआरजीसी के बयान अनुसार, बुधवार रात होर्मुज स्ट्रेट के दक्षिणी रास्ते से गुजरते समय एक बड़ा तेल टैंकर बारूदी सुरंग (माइन) से टकरा गया, जिससे उसमें आग लग गई। वहीं, एक दूसरा सुपरटैंकर जलमार्ग के पूर्वी हिस्से से बाहर निकलते समय आग की चपेट में आ गया, और आग बुझाने के लिए भेजी गई एक टगबोट भी बाद में जलने लगी। बयान में कहा गया है कि अमेरिका द्वारा जहाजों को बारूदी सुरंगों वाले रास्तों से ले जाने की जिद के कारण, अमेरिकी करदाताओं और क्षेत्रीय सहयोगियों को भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ रहा है और बीमा का खर्च भी बढ़ रहा है। वहीं, आईआरजीसी की नौसैनिक इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर यूनिट्स ने दावा किया कि उनके वायुक्षेत्र में घुसे दो अमेरिकी लुकास ड्रोन को उन्होंने अपने नियंत्रण में ले लिया। इससे पहले बुधवार को भी नौसैनिक यूनिट ने अमेरिकी ड्रोन को मार गिराने की बात कही थी। बयान के अनुसार, आईआरजीसी ने होर्मुज स्ट्रेट में केशम द्वीप के ऊपर एक यूएस एमक्यू–1 ड्रोन को इंटरसेप्ट करके नष्ट कर दिया। यह ईरानी एयर डिफेंस द्वारा गिराया गया अपनी तरह का 15वां एयरक्राफ्ट है।

टेक्सास बिकाऊ नहीं: मस्क के समर्थन के बावजूद पैक्सटन को मिली हार, टालारिको बोले– वे निजी सीनेटर चाहते थे

वाशिंगटन। बुधवार को डेमोक्रेटिक विजेता जेम्स टालारिको ने कहा कि टेक्सास में रिपब्लिकन उम्मीदवार केन पैक्सटन के खिलाफ उनकी बड़ी जीत, टेक अरबपति एलन मस्क के लिए एक कड़ा संदेश है। मस्क ने पैक्सटन के चुनावी अभियान में भारी पैसा लगाया था। टालारिको ने जोर देकर कहा कि टेक्सास बिकाऊ नहीं है। टालारिको ने कहा, टेक्सास की जनता ने दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर को बिल्कुल साफ संदेश दे दिया है। टेक्सास बिकाऊ नहीं है। इस राज्य और इस देश की असली ताकत जनता के पास है, और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह ताकत जनता के पास ही रहे। नवनिर्वाचित सीनेटर ने कहा कि पैक्सटन को हराना, चुनावी फंडिंग के नियमों में सुधार करने और सरकार को साफ–सुथरा बनाने की दिशा में एक मजबूत जनादेश है। इसका मकसद बड़े दानदाताओं (मेगा–डोनर्स) के उस अनुचित राजनीतिक प्रभाव को रोकना है, जिसका वे अक्सर गलत इस्तेमाल करते हैं। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय खुलासों से पता चलता है कि इस बड़े उद्यमी ने चुनावी प्रक्रिया में भारी रकम लगाई थी। सितंबर में, उन्होंने रिपब्लिकन सीनेट उम्मीदवारों का समर्थन करने वाली मुख्य श्सुपर पॉलिटिकल एक्शन कमिटीश (सुपर च।ब) को 158 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि दी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

